● नई दिल्ली। मंगलवार 28 अक्टूबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 309 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

एसआईआर के दूसरे चरण का ऐलान

उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों के 51 करोड़ वोटरों का पुनरीक्षण होगा

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर का फेज-1 खत्म हो गया है, अब इसका दूसरा चरण शुरू होगा। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया है। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने आगे कहा कि बिहार के लोगों ने एसआईआर पर भरोसा जताया है। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे फेज में देश के 12 राज्यों में यह अभियान चलाया जाएगा।

दूसरे चरण के एसआईआर के प्रक्रिया की प्रमुख तारीखें :

- मुद्रण/प्रशिक्षण - 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025
- घर-घर गणना चरण - 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025
- ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन - 9 दिसंबर 2025
- दावे और आपत्ति अवधि - 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026
- सूचना चरण (सुनवाई और सत्यापन) - 9 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026
- अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन - 7 फरवरी 2026

चुनाव आयुक्त ने कहा कि जिन राज्यों में एसआईआर क्रिया पूरी की जाएगी, उन सभी राज्यों की मतदाता सूचियां आज रात 12 बजे फ्रीज कर दी जाएंगी। उस सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ द्वारा विशिष्ट गणना प्रपत्र दिए जाएंगे। इन गणना प्रपत्रों में वर्तमान मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण होंगे। बीएलओ द्वारा मौजूदा मतदाताओं को प्रपत्र वितरित करने के बाद, जिन सभी के नाम गणना प्रपत्रों में हैं, वे यह मिलान करने का प्रयास करेंगे कि क्या उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था। यदि हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

सतरंगी रोशनी में नहाया आस्था का पर्व, हिंडन घाट पर दिखी छठ पूजन की भव्यता

लेजर शो से जगमग हुए घाट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भगवान सूर्य की उपासना का महापर्व छठ सोमवार को गाजियाबाद के हिंडन घाट से लेकर इंदिरापुरम, वैशाली, क्रॉसिंग रिपब्लिक, मुरादनगर और लोनी तक श्रद्धा और भक्ति के रंगों में डूबा नजर आया। छठ महापर्व को लेकर नगर निगम गाजियाबाद की ओर से हिंडन घाट पर इस बार का आयोजन बेहद खास रहा – घाट सतरंगी रोशनी, फूलों की सजावट और लेजर शो से जगमग हो उठा। तो जगह-जगह छठ के गीत, सजावट और उपासना की तस्वीरें नजर आईं।

आस्था और रोशनी का संगम

करंट क्राइम : छठ घाट पर रंग-बिरंगी रोशनियों की सजावट ने भक्ति का माहौल बना दिया। हर दिशा में सजी झालरें, कलात्मक विद्युत आकृतियां और पानी में पड़ती लेजर लाइट की परछाइयों ने छठ श्रद्धालुओं को मोह लिया। लेजर शो में देवी-देवताओं के चित्र और छठ महापर्व की कलात्मक झांकियां दिखाई गईं – जिसने घाट को अद्भुत बना दिया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और महापौर सुनीता दयाल के निर्देशन में हिंडन घाट पर जल, सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और गंगाजल की आपूर्ति की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। पूजा से पहले ही घाटों तक गंगाजल पहुंच गया था। नगर निगम की टीम दिनभर तैनात रही, जिससे किसी को भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

नगर आयुक्त ने पैराशूट उड़ाकर दी शुभकामनाएं

करंट क्राइम : छठ पर्व पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अनोखे अंदाज में पैराशूट उड़ाकर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ सिर्फ एक पूजा नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और पवित्रता का प्रतीक है। उन्होंने सभी से स्वच्छता और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

आज उगते सूरज की होगी उपासना, संपन्न होगा आस्था का महापर्व छठ

करंट क्राइम : आज छठ महापर्व का चौथा और अंतिम दिन है। भोर की पहली लालिमा के साथ ही व्रतधारी महिलाएं उगते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर की उपासना करेंगी। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत की पूर्णाहुति होगी और आस्था के इस महापर्व का समापन हो जाएगा। सुबह के समय घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। व्रतधारी महिलाएं नदी, तालाब या कृत्रिम घाटों पर खड़े होकर परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करेंगी। शहर के प्रमुख घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

गाजियाबाद के हर कोने में रही छठ की रौनक

करंट क्राइम : इंदिरापुरम, वैशाली, क्रॉसिंग रिपब्लिक, लूनी और मुरादनगर में भी छठ की पूजा पूरे उत्साह से संपन्न हुई। कई सोसाइटियों में छतों पर अस्थायी स्विमिंग पूल बनाकर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को अर्घ्य दिया। कहीं मंदिर समितियों ने सामूहिक पूजा कराई, तो कहीं महिलाओं ने गीत गाते हुए डूबते सूर्य की आराधना की। वहीं घाटों पर फूलों की झालरों, रोशनियों और दीपों से सजी सजावट ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। सूर्यास्त के समय जल में उतरती रोशनी और उठते भजनों की स्वर लहरियों ने मानो पूरा गाजियाबाद आस्था के सागर में डुबो दिया। कुल मिलाकर छठ महापर्व ने इस बार गाजियाबाद को एक नए रंग में रंग दिया। सजावट, व्यवस्था और श्रद्धा – तीनों ने मिलकर हिंडन घाट को सच्चे अर्थों में भक्ति का केंद्र बना दिया।

छठ की सरकारी छुट्टी आज, सभी स्कूलों में अवकाश घोषित

गाजियाबाद, करंट क्राइम : जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार 28 अक्टूबर मंगलवार को छठ पूजा पर्व के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। जारी पत्र में कहा गया है कि जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा जनपद की अवकाश सूची में संशोधन करते हुए 28 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

इस आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय, संस्कृत विद्यालय और मदरसे 28 अक्टूबर को पूर्णतः बंद रहेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

छठ पर्व

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। यूथ आइकॉन भाजपा नेता नीरज सिंह छठ पूजन में परिवार के साथ नजर आए। एक संदेश सनातन संस्कृति का, एक संदेश पावन परंपराओं का और एक संदेश परिवार के साथ त्यौहार का आनंद लेने का।

समझ नहीं आ रहा भाजपा के कार्यकर्ताओं को सांसद-विधायक का यह खेल ये है कोई पॉलिटिक्स या फिर बैठ गया है दोनों के बीच आपसी ताल-मेल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में संदेश दिये जाते हैं और बीते दिनों भगवागढ़ में पावर सेंटर का संदेश था। ये कहा जा रहा था कि जनरली उनके जाने तक सब एक थे और उनके जाने के बाद ही सत्ता के मतभेद खुले। एकता आधी नदिया के उस पार चली गयी और आधी इस पास आ गयी। आलम ये कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा जब भी कोई विकास का पत्थर लगायें तो लोकसभा वाले सांसद नजर ही ना आयें। सीन ईधर भी ये कि लोकसभा वाले कोई कार्यक्रम करायें तो कैबिनेट उसमें ना आयें। मगर सूत्र बताते हैं कि अब ये बर्फ पिघल रही है और खेल ही खेल में दोनों के बीच ताल मेल हो गया है। ताल मेल का बड़ा संदेश पप्पू पहलवान के कार्यक्रमों से निकल रहा है। ऐसा लग रहा है कि वो पूरे जोर लगाकर दोनों छोर मिला रहे हैं। नदिया पार की तरफ देखें तो सांसद वाले खेल महोत्सव में कैबिनेट वाले नजर आ रहे हैं। सांसद खेल महोत्सव चल रहा है और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की विधान सभा में जब खेल प्रतियोगिता होती है तो लोकसभा सांसद अतुल गर्ग जाते हैं। हैरानी लोगों को इस बात पर हो रही है कि पहले तो लोकसभा वाले जब विकास का कोई पत्थर लगाते थे तो कैबिनेट वालों कोनहीं बुलाते थे। कैबिनेट वाले लोकार्पण के नारियल से लोकसभा वालों को दूर रखते थे। हालाकि वो तो ये भी कह चुके हैं कि मैं लोकार्पण करता ही नहीं तो किसी को बुलाउ कैसे। मगर पप्पू पहलवान के संयोजन में अब ट्यूनिंग वाली डोर बंध रही है। सांसद खेल प्रतियोगिता में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग एक साथ दिखाई दे रहे हैं। उससे पहले भी पप्पू पहलवान के कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री भी आते हैं और लोकसभा सांसद भी आते हैं। सांसद खेल प्रतियोगिता के कार्यक्रम में दोनों चेहरे नजर आये हैं नेशनल पब्लिक स्कूल में खिलाड़ियों को ईनाम वितरित करने आये। इसके अलावा डीपीएस वसुन्धरा में बॉलीवॉल प्रतियोगिता में सांसद पहुंचे। दोनों के इस ताल मेल को देखकर कार्यकर्ता भी कन्फ्यूज हैं कि ये वास्तव में ताल मेल बैठा है या कोई पॉलिटिकल खेल चल रहा है। चर्चा इस बात को लेकर भी है कि दोनों ही पुराने प्लेयर हैं और पॉलिटिकल पिच पर खेलना जानते हैं।

ताल मेल की खास बात ये है कि दोनों खिलाड़ी एक साथ केवल उन्हीं कार्यक्रमों में आते हैं जो पार्टी द्वारा जारी होता है। उसके अलावा अन्य कार्यक्रमों में सिलसिला पुराने वाला ही चल रहा है। फिलहाल इस खेल को देखकर कार्यकर्ता भी कन्फ्यूज हैं कि ये वास्तव में कोई खेल चल रहा है या आपस में ताल मेल चल रहा है।

महापौर सुनीता दयाल ने किए 10 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने रविवार को 15वें वित्त आयोग की धनराशि से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत वाले आठ विकास कार्यों का शिलान्यास किया। सभी कार्यों में केवल सड़क निर्माण और मरम्मत शामिल हैं।

महापौर ने बताया कि इस बार अधिक वर्षा के कारण शहर की कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। शहरवासियों को राहत देने के लिए नगर निगम ने पहले से तैयारी की और इन सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा, इस बार 15वें वित्त से पहली बार इतने बड़े स्तर पर सड़क निर्माण कार्यों को मंजूरी मिली है, जिससे हर वार्ड में विकास की रफ्तार दिखेगी। महापौर ने बताया कि लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से 8 प्रमुख सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि बाकी सड़कों के लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शिलान्यास समारोहों में नागरिकों ने फूलमालाओं से महापौर का स्वागत किया। महापौर ने भी सभी महिलाओं को अपने हाथों से मालाएं पहनाईं और शिलान्यास का प्रसाद वितरित किया।

शेष, पृष्ठ 8

धर्म और जीवन पर सवाल उठाना अधर्म नहीं, आत्मबोध की शुरुआत है : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मेरे मन धर्म से संबंधित कई जिज्ञासा उठती रहती हैं, कई बार उनके निराकरण के लिए दो तीन बार ऐसे अवसर भी आए जब धर्म गुरु से भी भेंट हुई लेकिन संकोच वश अपनी शंका प्रस्तुत नहीं कर सका। दो दिन पहले मैने एक पोस्ट लिखी उस पर टिप्पणियों से ज्ञात हुआ कि कुछ हिन्दू धर्म के ज्ञाता भी मेरी पोस्ट पढ़ते हैं। इसलिए मैं उन हिन्दू विद्वानों के सामने अपनी जिज्ञासा रख रहा हूं।

जन्म किस परिवार और परिस्थिति में होता है – यह संयोग है या कर्म का परिणाम – यह प्रश्न धर्म और भाग्य दोनों पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत करता है।

आत्मा, ईश्वर और धर्म के बीच संबंध को लेकर यह विचार लेख सर्वधर्म दृष्टि की आवश्यकता पर बल देता है।

मानवीय गुणों जैसे दया, सहनशीलता और करुणा को समाज के लिए आशीर्वाद या चुनौती के रूप में देखने की दृष्टि सामने रखी गई है।

कर्मफल और प्रबंधन के संबंध में यह सवाल उठाया गया है कि क्या जीवन का सुख-दुख केवल योजना का परिणाम है या दिव्य न्याय की प्रक्रिया भी इसमें सक्रिय है।

धर्म और राजनीति के वर्तमान समीकरणों पर यह लेख मनुष्य की मूल पहचान – मानवता – को सर्वोपरि रखने की बात करता है।

मैने जिस माता पिता के घर जन्म लिया उसमें मेरी कोई भूमिका है क्या? यह कोई संयोग है या कोई कर्म का फल है? मुझे किस धर्म के माता पिता के घर जन्म मिलेगा, वे गरीब होंगे या अमीर होंगे, वे किसान होंगे या व्यापारी, वे गांव में रहते होंगे या शहर में, कौन मेरा भाई बहन बनेगा, कौन मेरा बेटा या बेटी बनेगा, कौन मेरी पत्नी बनेगा, कौन मेरा नाते रिश्तेदार होगा, कौन मेरा दोस्त होगा या कौन मेरा दुश्मन होगा,इन सबका निर्णय कौन करता है और उस निर्णय का आधार क्या है?

इस दुनिया में जितने भी मानव हैं, उन सबको किसी ने बनाया है या स्वय से उत्पन्न हुए हैं? क्या उनको बनाने वाला एक ही है या अलग अलग हैं? क्या आत्मा ईश्वर का अंश है? यदि हां तो क्या हिन्दू की आत्मा ही ईश्वर का अंश है या सभी धर्मावलंबियों की आत्मा भी ईश्वर का अंश है? अगर सभी में ईश्वर का अंश है तो हमारा दूसरी आत्माओं के साथ कैसा व्यवहार हो? समाज में लोग मानवीय गुणों की चर्चा करते हैं । जैसे दया,उदारता, सदाशयता, मानवता, सहिष्णुता सहनशीलता जैसे मानवीय गुण समाज के लिए उपहार हैं या अभिशाप? जब कई लोग बच्चों की संख्या निर्धारित करते हैं तब मुझे लगता है कि बच्चे कितने होंगे? कौन होंगे? कैसे होंगे? इसका निर्धारण का कोई प्रकृति का नियम है या कर्म फल की भी कोई भूमिका है या पूरी तरह से माता पिता की स्वेच्छा पर निर्भर है?

आजकल बहुत सारे लोग वृद्धजनों को वॉट्स एप पर बताते हैं कि अपनी संपत्ति का नियमन ऐसे करो तो वृद्धावस्था में सुखी रहोगे। यदि सच में व्यवस्था ऐसे ही संचालित है तो कर्म के फल का क्या अर्थ है? हमें जो आनंद या कष्ट मिलता है, उसमें कर्म के फल की कोई भूमिका है या केवल हमारा मैनेजमेंट है? क्या ईश्वर न्यायकारी है या नहीं । क्या ईश्वरीय न्याय व्यवस्था है या नहीं। जब कोई धरती पर संचालित न्याय व्यवस्था को चकमा देकर दंड से बच जाता है तो क्या प्रकृति अपना न्याय करती है या नहीं? हिंदू धर्म क्या है?, इसके सिद्धांत क्या हैं?, इसकी मान्यता क्या हैं?, इसका निर्णय वेद,उपनिषदों, पुराणों, गीता, रामायण, महाभारत जैसे धर्म ग्रंथों के आधार पर होगा या कुछ लोगों की इच्छाओं से धर्म का निर्धारण होगा? क्या केवल भगवा वस्त्र धारण करने से कोई धर्म गुरु बन जाएगा या उसमें कुछ मानवीय गुण भी होने चाहिए? उसके भाषा और आचरण की कोई मर्यादा होनी चाहिए? या कोई भी स्वच्छंद, स्वेच्छाचारी और अशिष्ट व्यक्ति किसी धर्म स्थान पर बैठने से ही साधु बन जाएगा?

क्या वोट और राजनीति ही मानव जीवन की सारी व्यवस्थाओं का नियमन करेंगी या मानवता भी कोई चीज है? किसी दूसरे धर्म को केवल गाली देना ही अपने धर्म की सेवा है या अपने धर्म के सिद्धांतों और मान्यताओं के अनुरूप अपना आचरण करना धर्म है?

'सबका दुखवा मिटाईं छठी मइया...'

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रियंका गांधी और ममता बनर्जी ने दी छठ पर्व की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देशभर में छठ महापर्व का तीसरा दिन आज मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कांग्रेसी सांसद प्रियंका गांधी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने कामना की है कि ये पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करे तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करे। बताया जा रहा है कि यूपी की राजधानी लखनऊ में आज शाम 4 बजे गोमती तट पर छठ पूजा का कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा कर छठ पूजा की बधाई दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई देती हूं। ये त्योहार सूर्य देव और छठी मैया की उपासना करने और मां प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। मेरी मंगलकामना है कि ये पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करे तथा हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करे।'

आस्था का महापर्व छठः प्रियंका गांधी

कांग्रेसी सांसद प्रियंका गांधी ने भी देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'दुखवा मिटाईं छठी मइया, रउवे असरा हमार। सबके पुरावेली मनसा, हमरो सुन लीं पुकार। सूर्यदेव एवं छठी मां की उपासना, प्रकृति पूजा एवं लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' की हार्दिक शुभकामनाएं।'

प्रियंका ने आगे लिखा, 'इस पावन अवसर पर मैं सभी व्रतियों को नमन करती हूं। छठी मइया सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार करें। जय छठी मैया।'

ममता बनर्जी ने दी शुभकामनाएं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'सभी को शुभ छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मैया सभी को सुख, समृद्धि और सुस्वास्थ्य प्रदान करें।'

साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनके द्वारा रचित गीत अरित्र दासगुप्ता की आवाज में प्रस्तुत किया गया है।

लखनऊ में छठ महापर्व के तीसरे दिन आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। लक्ष्मण मेला घाट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम 4 बजे शामिल होंगे। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु गोमती नदी के तट पर एकत्रित होंगे और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगे।

छठ पूजा का ये तीसरा दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन व्रतधारी डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी आराधना करते हैं। ये त्योहार न केवल आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है।

छठ पूजा चार दिवसीय त्योहार है। इस दौरान व्रतधारी सूर्य देव और छठी मैया की उपासना करते हैं। पहले दिन 'नहाय-खाय' के साथ त्योहार की शुरूआत होती है, दूसरे दिन 'खरना' मनाया जाता है, तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है।

बिहार: बीजेपी ने बगावत करने वाले 4 नेताओं को पार्टी से निकाला

पार्टी के नियमों के मुताबिक, पार्टी या गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ना गलत माना जाता है।

पटना। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने पार्टी से बगावत करके विधानसभा चुनाव लड़ने वाले चार नेताओं को 6 साल के लिए निकाल दिया है। पार्टी ने यह कदम उन नेताओं के खिलाफ उठाया है, जिन्होंने एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के खिलाफ जाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। बीजेपी ने इसे पार्टी विरोधी गतिविधियां बताते हुए चारों नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

जिन चार नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया गया है, उनमें बहादुरगंज से विधानसभा चुनाव लड़ने वाले वरुण सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, गोपालगंज से चुनाव लड़ रहे अनूप कुमार श्रीवास्तव भी निष्कासित किए गए हैं।

बीजेपी ने कहलगांव से चुनाव लड़ने वाले विधायक पवन यादव को भी पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पवन यादव पर पार्टी के फैसले का उल्लंघन करने का आरोप है। बड़हरा से चुनाव लड़ने वाले सूर्य भान सिंह को भी पार्टी से 6 साल के लिए बाहर कर दिया गया है।

बीजेपी ने इन नेताओं को निष्कासित इसलिए किया है क्योंकि ये सभी गठबंधन के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे। पार्टी के नियमों के मुताबिक, पार्टी या गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ना अनुशासनहीनता माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप यह बड़ा एक्शन लिया गया है।

29 अक्टूबर को राहुल गांधी का चुनावी दौरा

महागठबंधन का घोषणापत्र आज पटना में किया जाएगा जारी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए और महागठबंधन के नेता जोर-शोर से प्रचार अभियान में जुटे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर तीखे आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। तेजस्वी नई घोषणाएं कर रहे हैं तो एनडीए इसे झूठ बता रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने पाला बदल-बदलकर अपनी छवि खराब की है। अब रोजगार के लिए युवा बहुत दुखी है।

तेज प्रताप का तेजस्वी पर निशानालालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार की महुआ विधानसभा सीट से उम्मीदवार तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा और कौन नहीं बनेगा, यह बिहार की जनता तय करेगी। उन्होंने तेजस्वी यादव की घोषणाओं पर भी सवाल उठाए। तेज प्रताप यादव अपनी राजनैतिक कर्मभूमि महुआ में बाइक पर चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि महुआ में रोड नहीं बना है। स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। तेज प्रताप ने कहा, जिस तरह हमने महुआ में मेडिकल कॉलेज बनवाने का काम किया। इसी तरह वे यहां सड़कों का निर्माण कराएंगे। जनता से किया गया वादा पूरा करेंगे।

चुनाव को लेकर प्रशासन सख्तबिहार विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पटना जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम के निदेर्शानुसार आचार संहिता के पालन और प्रत्याशियों के चुनावी खर्च पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अब तक 11 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक मूल्य की नकदी, कीमती धातु, शराब, मादक पदार्थ और अन्य वस्तुओं की जब्ती की जा चुकी है, जो प्रशासन की सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। तेजस्वी के ऐलान पर बोले मांझीतेजस्वी के ऐलान पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रतिक्रिया दी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने कहा,यह आदमी कुछ नहीं कर सकता और हमेशा से लोगों को गुमराह करता रहा है। लोकसभा चुनावों के दौरान, उन्होंने यह कहानी गढ़ी कि संविधान खतरे में है, और यह रणनीति काम कर गई, जिसके कारण एनडीए को कम सीटें मिलीं। वे फिर से ऐसी कहानी गढ़ रहे हैं। ये लोग जीतने वाले नहीं हैं और सिर्फ दिखावे के लिए बातें कर रहे हैं। एनडीए सरकार बनाएगा, लेकिन अगर कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में वे सरकार बना भी लेते हैं, तो वे अपने वादे पूरे नहीं करेंगे और कहेंगे कि केंद्र सरकार ने सारा पैसा खर्च कर दिया और उन्हें कुछ नहीं दिए। बिहार के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं

'अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता कोई भी देश...', रक्षा विनिर्माताओं से बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय रक्षा विनिमार्ता सोसायटी (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। चाहे अमेरिका हो, चीन हो या दक्षिण कोरिया..जो भी देश आगे गए हैं, वो अनुसंधान और विकास की वजह से ही गए हैं।

'सरकार का काम समान अवसर प्रदान करना' : उन्होंने आगे कहा, सीखने के लिए तो हमें कहीं से भी किसी से भी सीखना चाहिए। हम तो 'आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतः' की सोच को मानने वाले लोग हैं। दुनिया में अगर कहीं भी अच्छा अभ्यास हो रहा है, तो उसको अपनाने में हमें पीछे नहीं रहना चाहिए। जैसा कि मैने कहा है कि सरकार का काम एक लेवल प्लेइंग फील्ड (समान अवसर प्रदान करना) देना है और आपको लेवल प्लेइंग फील्ड मिल रही है। लेकिन खेलना तो आप लोगों को ही है। खेल का अभ्यास भी करते रहिए। मैं चाहता हूं आप ऐसा खेलें कि पूरी दुनिया दर्शक बनकर आपकी ओर देखें।

'अनिश्चितता को ध्यान में रखकर उठाने होंगे कदम' : राजनाथ सिंह ने कहा, हाल ही में पहलगाम हमले के बाद जिस तरह हमने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। उसके बाद स्थितियां कुछ ऐसी बनीं थी कि युद्ध हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। हालांकि, हमारी सेनाएं किसी भी स्थिति में अपनी सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह तैयार थीं। लेकिन मैं बस यह कहना चाहता हूं कि दुनिया में शांति और कानून-व्यवस्था में अनिश्चितता तो बढ़ ही गई है। इसलिए उस अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए हमें हर डोमेन का सावधानी से विश्लेषण करते हुए अपने कदम उठाने होंगे। आज रक्षा और युद्ध क्षेत्र में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उनसे केवल स्वदेशीकरण के माध्यम से ही निपटा जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, यह भी मैं कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार मैं आप सबके बीच आया हूं। तो उससे संबंधित कुछ बातें भी मैं आपके सामने रखना चाहूंगा। सबसे पहले मैं हमारी सेनाओं के साथ-साथ आप सभी औद्योगिकी योद्धाओं को भी हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, हम सबने देखा कि आकाश मिसाइल प्रणाली, ब्रह्मोस, आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली और अन्य कई प्रकार के स्वदेशी उपकरणों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से अपना पराक्रम दिखाया। हमारे स्वदेशी उपकरणों की सफलता ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की साख, भारत की विश्वसनीयता को बढ़ाया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय हमारी सेनाओं के साथ-साथ उन सबको जाता है, जो पीछे रहकर उस मिशन को सफल बनाने में लगे हुए थे।

अंबेडकर प्रतिमा खंडित होने से भड़का आक्रोश

पूर्व विधायक बोले- ऐसी हरकत समाज के लिए अस्वीकार्य

लखनऊ। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के तेलियाडीह गांव में बुधवार सुबह डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। कुछ ही देर में यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

घटना की सूचना पर डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह तत्काल गांव पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से पूरी जानकारी ली और मौके पर मौजूद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पूर्व विधायक ने कहा, डॉ. भीमराव अंबेडकर करोड़ों लोगों के आत्मसम्मान, समानता और अधिकारों के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा के साथ ऐसी हरकत समाज के लिए अस्वीकार्य है। ऐसी घटनाओं को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द दोषियों की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की और गांव में नई प्रतिमा स्थापित करने पर जोर दिया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि जांच तेज कर दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और शीघ्र नई प्रतिमा लगाई जाएगी।

किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से निगरानी बढ़ाने की मांग की ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पूर्व विधायक ने ग्रामीणों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, डॉ. अंबेडकर ने समाज को समानता, भाईचारे और न्याय का संदेश दिया है।

हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज को मजबूत बनाना है।

लिव-इन पार्टनर ने किया कत्ल: अश्लील फोटो डिलीट करने को तैयार न था प्रेमी, युवती ने पूर्व आशिक संग मिल मार डाला

नई दिल्ली। उत्तरी जिला के तिमारपुर इलाके में 5 अक्तूबर की रात यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र रामकेश मीणा (32) की मौत आग लगने से नहीं हुई थी। उसकी हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्या की इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाते हुए रामकेश के साथ सहमति संबंध में रहने वाली युवती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मुरादाबाद निवासी अमृता चौहान (21), सुमित कश्यप (27) और संदीप कुमार (29) के रूप में हुई है।

दरअसल, रामकेश के पास अमृता के अश्लील वीडियो और फोटो एक हार्ड डिस्क में थे। बार-बार मांगने पर वह उनको नहीं दे रहा था। इसी बात पर अमृता ने अपने पूर्व प्रेमी सुमित के साथ मिलकर रामकेश की हत्या की साजिश रची। 5 अक्तूबर की रात को उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद पेट्रोल डालकर कमरे में आग लगा दी। बाद में रसोई से एलपीजी सिलिंडर को खोलकर उसे भी आग में रख दिया गया। आग लगाने से पहले आरोपियों ने हार्ड डिस्क, ट्रॉली बैग व अन्य सामान कमरे से ले लिया। पुलिस ने इसको बरामद कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ में अमृता ने अपराध कबूल करते हुए घटनाक्रम की जानकारी दी। उसने बताया कि वह मृतक रामकेश मीणा के साथ मई 2025 से सहमति संबंध में रह रही थी। अश्लील फोटो और वीडियो डिलीट करने को कहा तो वह तैयार नहीं हुआ। यह बात उसने अपने पूर्व प्रेमी सुमित कश्यप को बताई। हत्या में सुमित ने अपने दोस्त संदीप को शामिल किया। 5-6 अक्तूबर की रात तीनों ने रामकेश की गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में कमरे में पेट्रोल और शराब डालकर शव को आग के हवाले कर दिया। सुमित मुरादाबाद में गैस सिलिंडर का डिस्ट्रीब्यूटर है। उसने सिलेंडर खोलकर आग लगाई ताकि विस्फोट से मामला हादसे के जैसा लगे।

आवारा कुत्तों पर अधिकतर राज्यों ने नहीं दिए हलफनामे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले स्वतः संज्ञान वाली याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया। दरअसल, कोर्ट ने पाया कि आवारा कुत्तों की समस्या पर नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अधिकतर राज्यों ने अब तक हलफनामे नहीं दायर किए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य सचिवों को पेशी का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों-जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की विशेष बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि अब तक सिर्फ दिल्ली महानगपालिका (एमसीडी), पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर हलफनामे दाखिल किए हैं। बता दें कि 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जब इस मामले पर सुनवाई की थी।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र विपिन कुमार कर्दम व पुत्रवधू श्रीमती वर्षा को उनके द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी लेनदेन व कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

प्रार्थीगण
महेंद्र सिंह पुत्र श्री खेमचंद व श्रीमती राजेंद्री देवी पत्नी श्री महेंद्र सिंह निवासीगण मकान नंबर- 1529, भूडगढ़ी, डासना मसूरी आर.एस.गाजियाबाद

तबाही मचाने को तैयार चक्रवाती तूफान मोंथा! मौसम विभाग का रेड अलर्ट जारी

सोमवार को केरल के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चल रही हैं। अलपुझा जिले में तेज हवाओं के चलते समुद्र में नौका पलटने से एक मछुआरे की मौत हो गई। मृतक की पहचान पॉल देवासिया के रूप में हुई है।

राजधानी दिल्ली-यूपी सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। चक्रवाती तूफान मोंथा का असर शुरू हो गया है और तमिलनाडु और केरल के तटीय इलाकों में भारी बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने केरल के कासरगोड, कोझिकोड और कन्नूर जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया है कि इन जिलों में 24 घंटों में 115 मिलीमीटर से लेकर 204 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। केरल के वायनाड, मलाप्पुरम, पलक्कड़, त्रिशूर, एनार्कुलम, इडुक्की, कोट्टायम और अलपुझा जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में तेज हवाएं चलने की आशंका जताई है।

सोमवार को केरल के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चल रही हैं। अलपुझा जिले में तेज हवाओं के चलते समुद्र में नौका पलटने से एक मछुआरे की मौत हो गई। मृतक की पहचान पॉल देवासिया के रूप में हुई है, जो अरथुनकल का निवासी था। पॉल सोमवार सुबह मछली पकड़ने गया था, लेकिन तेज हवाओं के चलते उसकी नाव पलट गई। साथी मछुआरों ने उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई।

चेन्नई समेत कई जिलों में भी भारी से अति भारी बारिश का अनुमान

चक्रवाती तूफान मोंथा के चलते तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भारी से अति भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। राजधानी चेन्नई और तीन अन्य जिलों में सोमवार को भारी बारिश का अनुमान है। चक्रवाती तूफान मोंथा सोमवार दोपहर करीब 2.30 बजे चेन्नई के तट से टकरा सकता है। इसके असर से चेन्नई, रानीपेट, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम में भारी बारिश हो सकती है। पुडुचेरी में भी बादल जमकर बरसेंगे। 28 अक्तूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान मोंथा के खतरनाक तूफान में बदलने की आशंका है।

इसके असर से आंध्र प्रदेश, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश, तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। इस दौरान 110 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। मंगलवार 28 अक्टूबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

हाउस टैक्स पर लगातार जारी है चर्चाएं और द्वंद्व

मेयर ने किया हाउस टैक्स वसूली पर पब्लिक को रिलैक्स

कहा अभी ना जमा करायें लोग बढ़ा हुआ हाउस टैक्स

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स को लेकर पहली बार ऐसा हो रहा है कि सदन और निगम प्रशासन आमने-सामने आ गये। सदन में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया और सदन की मुखिया के रूप में मेयर सुनीता दयाल ने ये घोषणा की कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स निरस्त किया जाता है। मेयर की इस घोषणा के बाद मामले में मोड़ तब आया जब नगर निगम के अधिकारियों द्वारा कर दाताओं के मोबाईल पर मैसेज भेजे गये। बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वसूलने के इन मैसेज में ये भी बताया गया कि अभी समय है इसलिए 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी और फिर वो

भी नहीं मिलेगी। इधर निगम पार्षदों ने विरोध जताया और कहा कि मैसेज गलत है और उन्होंने लोगों से अपील की कि वो बढ़ा हुआ हाउस टैक्स ना जमा करें। मामला हाईकोर्ट तक जा पहुंचा और यहां निगम प्रशासन ने दलील दी कि पब्लिक तो 100 करोड़ से ज्यादा का टैक्स जमा भी करा चुकी है। लोग अभी भी ये जानना चाहते हैं कि क्या वास्तव में हाउस टैक्स कम होगा या बढ़ी दरों पर ही जमा कराना होगा। सोमवार को मेयर सुनीता दयाल रामप्रस्थ में लोगों को 10 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात समर्पित करने पहुंची। मेयर सुनीता दयाल विकास का संदेश गली मौहल्लों में जाकर दे रही हैं। उन्होंने विकास कार्यों के जरिये लोगों को टूटी सड़क से राहत दी है, अन्य विकास कार्य भी हो रहे हैं। मेयर सुनीता दयाल का ये अंदाज है कि वो अपनी बात को स्पष्ट रूप से रखती हैं और बिना लाग-लपेट के वो बात कहती हैं। यहां जब लोगों के बीच नगर निगम पार्षद सदन की मुखिया मेयर सुनीता दयाल पहुंची तो लोगों ने उनका स्वागत किया और उसके बाद लोगों ने मेयर से ही टैक्स को लेकर सवाल रखा। ये एक ऐसा विषय है जिस पर मेयर सुनीता दयाल सदन से लेकर पब्लिक तक कई बार अपनी बात रख चुकी हैं और जब लोगों ने मेयर से टैक्स को लेकर सवाल किया तो यहां मेयर ने उन्हें तार्किक तरीके से जवाब दिया।

उन्होंने रिमाईंड कराया कि जब मैंने पहले ये कह दिया था कि हाउस टैक्स नहीं बढ़ेगा तो फिर पूर्व पार्षदों को इस पूरे मामले को हाईकोर्ट में नहीं ले जाना था। लेकिन वो इस पूरे मामले को कोर्ट में ले गये। मेयर सुनीता दयाल ने जनता को रिलैक्स किया और कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लोग अभी जमा ना करें। मेयर का यह कथन सुनकर लोगों के चेहरे पर एक राहत भरी मुस्कान लौटी। मेयर नगर निगम सदन की मुखिया हैं और उनके मुख से निकले शब्दों का एक अर्थ होता है। अगर मेयर आश्वस्त कर रही हैं तो फिर जनता को रिलैक्स रहना चाहिए।

नगर निगम ने हाई कोर्ट में जमा कराया 100 पेज का हलफनामा!

चर्चा है कि मिनट्स बुक भी अटैच हुए हैं एफिडेविट वाली फाईल के साथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स का मामला हाईकोर्ट पहुंच चुका है और तारीख दर तारीख ये मामला अब फाईनल सुनवाई की तरफ बढ़ रहा है। कभी नगर निगम की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा जाता है तो कभी भाजपा के पूर्व पार्षद जवाब पढ़ने के बाद अपना जवाब देने के लिए समय मांगते हैं। अदालत तारीख देती है और अब सूत्र बताते हैं कि हाईकोर्ट में नगर निगम की ओर से एक या दो नहीं बल्कि पूरे 100 पेज का हलफनामा दाखिल किया गया है। सूत्र बताते हैं कि शपथ पत्र की एक कॉपी दूसरे पक्ष को भी दी जायेगी। पूर्व पार्षद पक्ष ने अब नगर निगम से समय मांगा है। बताया जाता है कि लगभग 100 पेज के हलफनामे में कई बिंदुओं पर निगम ने पक्ष रखा है। यह मामला अदालत ने पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी बनाम राज्य सरकार के नाम से चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि हलफनामे में एआरबी की रिपोर्ट लगनी है और सूत्र ये भी बता रहे हैं कि नगर निगम द्वारा जो हलफनामा दाखिल किया गया है उसमें मिनट बुक भी लगाई गयी है। नगर निगम ने एआरवी विवाद पर हाईकोर्ट पर काउन्टर दाखिल किया है। सूत्र बताते हैं कि इसमें 2021 से 2025 तक की किराया दरों का ब्यौरा शामिल है। यह हलफनामा अधिवक्ता श्रेया गुप्ता के माध्यम से दाखिल किया गया है। जिसमें नगर निगम द्वारा विगत वर्षों में निर्धारित वार्षिक किराया मूल्य यानी एनवन रेंटल वैल्यू अदालत के समक्ष रखी गयी है। नगर निगमने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि एआरवी संशोधन की पूरी प्रक्रिया वैधानिक प्रावधानों और नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 537 के अंतर्गत की गयी है। हलफनामे में शामिल 10 बिंदुओं के माध्यम से निगम ने वर्ष 2016, 2018, 2021 और 2023 के बीच हुए संशोधनों तथा 30 जून 2025 के निगम संकल्प का हवाला दिया है। जिसमें यह बताया गया है कि विवादित एआरवी पर किस प्राकर से छूट दी जा रही है।

हाउस टैक्स को लेकर प्रभारी मंत्री ने पढ़ाया पार्षदों को नियम का पाठ

कहा फाईल जब शासन तक आयेगी तो हम करेंगे इस विषय पर बात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स बढ़ाये जाने के मुद्दे पर सबसे रोचक बात ये है कि ये लड़ाई भाजपा की सरकार में भाजपा के पार्षद लड़ रहे हैं। वो सदन में धरने पर बैठ चुके हैं, वो बस में बैठकर लखनऊ हो आये हैं और प्रभारी मंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक बात रख चुके हैं। प्रभारी मंत्री तथा पूर्व एडीजी पुलिस असीम अरूण जब गाजियाबाद आये तो फिर से पार्षद वेलफेयर एसोसिएसन के बैनर पर भाजपा के ही पार्षदों ने

उनके सामने ये विषय रख दिया।

पार्षदों ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि आपने इस मामले में डीएम से इंटरवील करने को कहा था। हमने बात रखी थी और अभी भी टैक्स को लेकर वही पुराना रूल चल रहा है। अब गाजियाबाद जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरूण सामान्य विधायक या सामान्य मंत्री नहीं हैं। वो लम्बे समय तक एक अफसर के रूप में कानून का पालन करवा चुके हैं , वो बेहतर जानते हैं कि सरकारी कामकाज की परिभाषा क्या है और अफसर की ताकत किस तरह से विभाजित है। बताते हैं कि उन्होंने पार्षदों को हाउस टैक्स विषय पर समझाते हुए शुल्क लागू करने और कर लागू करने के बीच का अंतर बताया। प्रभारी मंत्री असीम अरूण ने पार्षदों को बताया कि निगम के अधिकारियों को शुल्क लागू करने का अधिकार होता है। वो लाईसेंस शुल्क में वृद्धि कर सकते हैं, वो निगम द्वारा लिये जाने वाले अन्य शुल्क में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन मामला जनता से लिये जाने वाले कर का है और उसमें गृह कर भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कर की दर घटाने या बढ़ाने का अधिकार केवल सदन के पास होता है। सदन में सर्वसम्मति से जो प्रस्ताव पास होता है उसी के अनुरूप कर घटाया या बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने पार्षदों को बताया कि इस मामले में जब शासन के पास ये रिपोर्ट आयेगी तो प्रभारी मंत्री होने के नाते वो पार्षदों की बात रखेंगे। उन्होंने पार्षदों को स्पष्ट किया कि यहां बात चूंकि टैक्स की है तो सदन का फैसला मान्य होगा। अगर निगम अधिकारियों ने शुल्क बढ़ाया होता तो निगम अधिकारियों की बात मानी जाती।

यशोदा मेडिसिटी के कार्यक्रम ने रचा है एक इतिहास

कार्यक्रम में दिखे 60 वीवीआईपी एक साथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम : रविवार को इंदिरापुरम में यशोदा मेडिसिटी अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जिस तरीके से महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से लेकर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति इस बात का एहसास कर रही है कि वाकई यह कोई आम आयोजन या शुभारंभ कार्यक्रम नहीं था, यह बेहद खास और गौरव पूर्ण पल के साथ

गाजियाबाद को अलग-अलग क्षेत्र में नई पहचान देने वाला पल भी कहा जा रहा है। जिस तरीके से राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यशोदा ग्रुप की इस पहल और उनके प्रमुख डॉ. पीएन अरोड़ा की तारीफ की है, वह भी बता रहा है कि कार्यक्रम बेहद वृहत स्तर पर था।

इन अतिथियों को कार्यक्रम में किया गया था आमंत्रित

करंट क्राइम : करंट क्राइम को जो लिस्ट मिली है, उसमें अति विशिष्ट लोगों से लेकर देश के प्रतिष्ठित लोगों के नाम शामिल हैं। इसमें डॉ अनिल गोयल ईस्ट दिल्ली, अनुराग देव शर्मा पुत्र अनिल पेशावरी साकेत, अनिल शर्मा, कमलजीत सेहरावत, असीम मदन, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, तो वर्तमान कैबिनेट मंत्री यूपी सरकार सुनील शर्मा, स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, सांसद अतुल गर्ग गाजियाबाद, जस्टिस भंवर सिंह उनकी पत्नी शशि सिंह, जस्टिस कृष्णामुरारी, अशोक भूषण, अजय शर्मा, डॉ महेश शर्मा सांसद नोएडा, संजय सेठ मेंबर ऑफ पार्लियामेंट, उनके भाई, पत्नी के साथ ही सुरेश चंद्र मित्तल, मधु सेठ, सुधांशु त्रिवेदी, भाजपा यूपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कुलभूषण आहूजा, अश्वनी त्यागी एमएलसी मेरठ, हेमंत जैन प्रेसिडेंट पीएचडी, राजीव जुनेजा, महापौर सुनीता दयाल गाजियाबाद, जयवीर सिंह एमएलसी, बृजेश सिंह, सुनील बराला मंत्री, राजीव सिंह पूर्व मंत्री, डॉ दिनेश शर्मा मेंबर ऑफ पार्लियामेंट, अजय सिंह सीनियर जनरलिस्ट, संदीप सिंह मंत्री, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, हेमंत शर्मा, हेमंत द्विवेदी उत्तराखंड, अलीगढ़ विश्वविद्यालय से तारीख, जस्टिस वीरेंद्र विक्रम सिंह, अतुल गुप्ता ,भुनेश्वर, लक्ष्मीकांत वाजपेई राज्य संभा सांसद, मंत्री सोमेंद्र तोमर, दिनेश तोमर, अरुण गोविल सांसद मेरठ, हरिकांत अहलूवालिया, केपी सिंह, अमित अग्रवाल, योगेश धामा, राजकुमार सांगवान, डॉ महेश वर्मा, महेंद्र नाथ पांडे, सतीश गौतम, आईएएस संतोष यादव और देवेश सहित अन्य नाम इस कार्यक्रम की अति विशिष्ट वाली श्रेणी में शामिल थे, जिसमें से अधिकांश अतिथि मौजद रहे।

डीसीपी ट्रांस हिंडन और एसीपी इंदिरापुरम के नाम भी जुड़ा अनोखा रिकॉर्ड

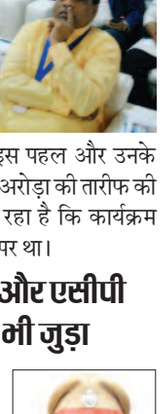

करंट क्राइम : रविवार को राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित दर्जनों अति विशिष्ट लोगों के इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने वाले डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल और एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के नाम भी एक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। दोनों ही पुलिस कमिश्नरेट के ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस, वायु सेना, थल सेना, जल सेना से लेकर कई अति महत्वपूर्ण और अति विशिष्ट कार्यक्रमों की सुरक्षा से लेकर व्यवस्थाओं की बागडोर कमान संभाल चुके हैं। तो वहीं डीसीपी रहते हुए प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट नमो भारत रेल का उद्घाटन हो या यशोदा मेडिसिटी में राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तमाम महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दोनों ही अधिकारियों द्वारा बखूबी निभाई गई हैं।

गाजियाबाद का एक्यूआई 302

तीन दिन में तेजी से बढ़ा प्रदूषण स्तर, छठ पूजा की आतिशबाजी और धीमी हवाएं बनीं कारण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर की हवा अब जहरीली हो चुकी है। गाजियाबाद में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 302 तक पहुंच गया, जो ह्यगंभीर श्रेणीह्व में दर्ज किया गया। बीते तीन दिनों में एयर क्वालिटी इंडेक्स में लगातार तेजी से बढ़ोतरी हुई है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बच्चों और बुजुर्गों में सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन की शिकायतें बढ़ रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, छठ पूजा के दौरान हुई आतिशबाजी, बढ़ती धूल, धीमी हवाएं और मौसम में ठहराव ने वायु गुणवत्ता को और बिगाड़ दिया है। सोमवार को पूरे दिन बादल छाए रहने के कारण सूर्य के दर्शन भी ठीक प्रकार से नहीं हो सके।

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में प्रदूषण से राहत तभी संभव होगी जब बारिश या तेज हवाएं चलेंगी। वर्तमान में हवा की गति बहुत कम होने से प्रदूषक तत्व वातावरण में फंसे हुए हैं। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशान कर दिया है। कई अभिभावक सुबह की असेंबली और आउटडोर गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद करने की मांग कर रहे हैं। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि लोग सुबह और देर शाम बाहर निकलने से बचें और एन-95 मास्क का प्रयोग करें।

दो-दो केन्द्रीय मंत्री आकर चले गये गाजियाबाद

चर्चा, क्यों नहीं आई उन्हें यहां के सांसद, विधायक, मंत्री और मेयर की याद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर में अगर मुख्यमत्री आते हैं तो कार्यक्रम कैसा भी हो भाजपा के संगठन पदाधिकारियों से मिलकर भाजपा के जनप्रतिनिधि वहां शिष्टाचार मुलाकात करने पहुंचते हैं। समय कम हो तो भी अभिवादन की परम्परा का पालन होता है। मगर इन दिनों भाजपा में ऐसा क्या चल रहा है कि जिस शहर में भाजपा की जिंदाबाद होती है उस शहर में जब केन्द्र के दो दो कद्दावर मंत्री आते हैं तो सीन से शहर के जनप्रतिनिधि गायब होते हैं। सवाल ये है कि जनप्रतिनिधि खुद नहीं आते हैं या वो बुलाये नहीं जाते हैं। शहर में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा रहते हैं। शहर में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग रहते हैं। शहर में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप रहते हैं। इसी शहर में शहर विधायक संजीव शर्मा रहते हैं। मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी रहते हैं। एलएलसी दिनेश गोयल रहते हैं। मेयर सुनीता दयाल रहती हैं। शहर में शुक्रवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आती हैं। हापुड़ चुंगी के पास सीजीएसटी का मुख्यालय खुला है। ये केन्द्रीय कार्यालय है। बड़ी बिल्डिंग बड़ा उदघाटन और उदघाटन वाले मंच से लेकर बाहर गेट तक कोई जनप्रतिनिधि नहीं दिखाई देता है। सवाल यही उठा कि क्या जनप्रतिनिधियों को इग्नोर किया गया या वो खुद नहीं आये। चर्चा चली तो फिर इस चर्चा में कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी भी आये। नितिन गडकरी बीते दिन एक वरीष्ठ आईएएस अधिकारी के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने आये थे। चर्चा थी कि वो यहां जनप्रतिनिधियों से मिलेंगे और जनप्रतिनिधि भी पहुंचेंगे, लेकिन ना तो कोई जनप्रतिनिधि पहुंचा और ना ही कैबिनेट मंत्री। इतना जरूर हुआ कि वो यहां से सीधे एक और आईएएस अधिकारी के घर गये उनसे मिले हालांकि यह मुलाकात पूरी तरह निजि और पारिवारिक थी। शुक्रवार को फिर ये कहानी रीपीट हो गयी और देखा जाये तो ये ये दूरियों के संकेत हैं। आखिर सरकार के मंत्री सरकार के जनप्रतिनिधियों से इतना डिस्टेंस क्यों बना रहे हैं। भाजपा में तो वैसे भी सूचना का युग है और यहां अपेक्षित शब्द का एक अर्थ होता है। दूसरी बार ये हुआ कि कैबिनेट मंत्री का आगमन हुआ और किसी भी जनप्रतिनिधि को यहां नहीं देखा गया।

एक दौर था जब भाजपा में नेता या सरकार के मंत्री आते थे तो स्वागत होता था। कितनी बार तो यूपी गेट रिसीव का गवाह बना है। मगर जब अपनी ही सरकार के अपने ही मंत्री आयें और ना वो जनप्रतिनिधियों को पूछे और ना जनप्रतिनिधियों के दीदार हों तो फिर तकरार की चर्चा होती ही है। आखिर क्या वजह है कि केन्द्र वाले जब गाजियाबाद आते हैं तो वो किसी भी जनपतिनिधि को याद नहीं करते, संगठन की तो बात ही छोड़ दो। बड़ी बात ये भी है कि क्या जनप्रतिनिधियों को सूचना नहीं दी जाती या उन्हें निमंत्रण नहीं मिलता।

अगर निमंत्रण मिलने के बाद भी जनप्रतिनिधि नहीं जाते हैं तो फिर ये चिंतन का विषय है और अगर केन्द्र के मंत्री आते हैं और वो किसी जनप्रतिनिधि से मिलते ही नहीं हैं और जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण या सूचना भी नहीं दी जाती है तो फिर ये गहन चिंतन का विषय है। फाउल किस ओर से हो रहा है। इसको जानने की जिज्ञासा कार्यकर्ताओं में है।

संपादकीय

कब मिलेगी राहत

छठ पर बिहार जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ है, जहां यात्रियों को खड़े होकर या उकडू बैठकर यात्रा करनी पड़ रही है। रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। यह समस्या रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर और पलायन से जुड़ी है, जिसके लिए दूरगामी और फौरी दोनों तरह के उपायों की आवश्यकता है। छठ शुरू हो चुका है, लेकिन बिहार के लोगों की घर पहुंचने की जद्दोजहद जारी है। रेलवे के मुताबिक, इस बार 12 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं और पिछले साल की तुलना में इस बार विशेष रेलगाड़ियां 56% ज्यादा फेरे लगाएंगी। हालांकि बिहार जाने वाली ट्रेनों से आ रही तस्वीरें बता रही हैं कि इतने इंतजाम भी पर्याप्त साबित नहीं हो रहे। अमानवीय यात्रा बिहार के लिए किसी भी ट्रेन में पैर रखने तक की जगह नहीं है। रिजर्वेशन बेमायने हो गए हैं और रातभर खड़े रहकर या उकडू बैठकर यात्रा करना आम। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाया, तो जवाब में रेलवे की तरफ से कहा गया कि त्योहारों के समय भीड़ स्वाभाविक है और विभाग यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है।

समस्या के पहलू लेकिन, यह स्थिति केवल इस बार की नहीं है। हर साल त्योहारों पर, खासकर छठ पर ट्रेनों में जगह मिलना जंग जीतने की तरह हो जाता है। स्पेशल ट्रेनें हर साल चलाई जाती हैं, पर उसी अनुपात में लगता है कि भीड़ भी बढ़ जाती है। इस समस्या के दो पहलू हैं - रेलवे इंफ्रा और पलायन।

जरूरत ज्यादा पिछले 10 साल में करीब 34 हजार नई रेल लाइन बिछाई गई है। इस दौरान वंदेभारत और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी नई ट्रेनें उतारी गईं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे को अब तक का सबसे बड़ा 2.65 लाख करोड़ रुपये का बजट मिला है। इसमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यात्री सुविधाओं में सुधार पर फोकस है। विशेषकर नई रेलवे लाइन के लिए 32.23 हजार करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं। यह तो हुई आंकड़ों की बात। सच यह है कि इसके बावजूद बिहार जाने वाले यात्रियों के हिसाब से ट्रेनों की कमी है। मजबूरी का विस्थापन इस समस्या का दूसरा पहलू जुड़ा है पलायन से। मन से किए गए विस्थापन और मजबूरी के विस्थापन में गहरा अंतर है। बिहार की एक बड़ी आबादी रोजी-रोटी के संकट की वजह से घर छोड़ती है। इस बार विधानसभा चुनाव प्रचार में प्रशांत किशोर ने यह मुद्दा उठाया भी, लेकिन इसे जितनी तवज्जो मिलनी चाहिए थी, नहीं मिली। चुनाव की वजह से इस बार बिहार की ट्रेनों में भीड़ की तरफ नेताओं का ध्यान गया और इस पर चर्चा हुई। लेकिन, यह समस्या केवल चुनावी नहीं है। दूरगामी उपाय तो किए ही जाने चाहिए, ऐसे फौरी कदम भी उठाए जाएं जिससे त्योहार संघर्ष का मौका बनकर न रह जाए।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स ने लगाई 567 अंकों की छलांग, निफ्टी 25900 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.96 अंक उछलकर 84,778.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 170.90 अंक की बढ़त के साथ 25,966.05 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली क्योंकि उम्मीद से कम अमेरिकी मुद्रास्फीति ने इस साल फेड ब्याज दरों में कटौती की संभावना फिर से जगा दी हैं। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते की संभावनाओं और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने भी बाजार की आशा को बढ़ाया।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.96 अंक या 0.67 प्रतिशत उछलकर 84,778.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 720.2 अंक या 0.85 प्रतिशत बढ़कर 84,932.08 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 170.90 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966.05 पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में व्यापक मजबूती और आयातकों की माह के अंत में डॉलर की मांग के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 43 पैसे टूटकर 88.26 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इटर्नल, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए।

क्षेत्रीय सूचकांकों में पीएसयू बैंक सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया और 2.76 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि रक्षा और मीडिया शेयरों में मुनाफावसूली के कारण गिरावट आई।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग तेजी से ऊपर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण घरेलू बाजार में व्यापक सुधार देखा गया। अमेरिका में उम्मीद से कम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों ने इस सप्ताह फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

वैश्विक स्तर पर कम होती चुनौतियों और मजबूत घरेलू सुधारों ने घरेलू आय वृद्धि के संकेत दिए हैं और मौजूदा प्रीमियम मूल्यांकन को उचित ठहराया है।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 65.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत घटकर 65.38 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 621.51 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 344.52 अंक या 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,211.88 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 96.25 अंक या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 पर बंद हुआ।

कमर्शियल वाहनों पर जीएसटी कटौती से फ्लीट ऑपरेटर्स को राहत

मदुरै से दुबई जा रही फ्लाइट में आई दिक्कत

नई दिल्ली। कमर्शियल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने से फ्लीट ऑपरेटर्स की लागत में कमी आएगी। हालांकि इसके बावजूद नए वाहनों की खरीद अभी काफी कम रहने की संभावना है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एजेंसी के अनुसार, घरेलू फ्लीट ऑपरेटर्स की आय इस वित्त वर्ष में आठ से दस प्रतिशत बढ़ सकती है। बढ़ती घरेलू मांग और आयात से जुड़े माल ढुलाई कार्य से इस वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

क्रिसिल ने कहा कि ज्यादा राजस्व और स्थिर मुनाफे से ऑपरेटर्स की नकदी स्थिति सुधरेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल जरूरतें आंशिक रूप से पूरी हो जाएंगी। बाहरी शॉर्ट-टर्म कर्ज पर निर्भरता भी कम रहेगी और नए वाहनों की खरीद मुख्य रूप से लंबी अवधि के कर्ज के जरिए होगी। एजेंसी का अनुमान है कि बढ़ी हुई फ्लीट यूनिटाइजेशन से ऑपरेटिंग मार्जिन 8% से 8.5% के बीच स्थिर रहेंगे।

मदुरै से दुबई जा रही फ्लाइट तकनीकी खामी के कारण चेन्नई में उतरी

मदुरै से दुबई जा रही एक निजी विमान को तकनीकी खामी के चलते सोमवार को यहां चेन्नई एयरपोर्ट पर आपात रूप से उतारा गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, उड़ान के दौरान ही विमान में तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुए विमान को चेन्नई की ओर मोड़ दिया। बोर्ड पर मौजूद सभी 160 यात्री सुरक्षित हैं।

भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2025 का आयोजन, वैश्विक बाजार से जुड़ने का मौका

नई दिल्ली। बीआईआरसी 2025 में किसानों को शोधाकताओं, निर्यातकों, मिल मालिकों, विदेशी खरीदारों, स्टार्टअप्स और नीति निमार्ताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसान वैश्विक सप्लाई चेन से इतने बड़े स्तर पर सीधे जुड़ेंगे।

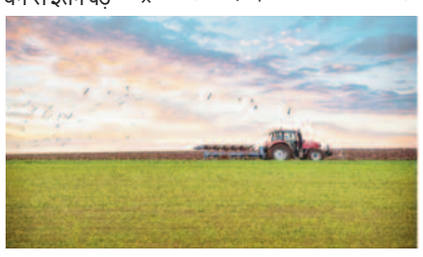

भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2025 को विकसित भारत 2047 की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। यह आयोजन देश के किसानों के हितों को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अनुसार, यह आयोजन 30 और 31 अक्तूबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा। इसमें देशभर से करीब 5,000 किसान हिस्सा लेंगे।

किसान वैश्विक सप्लाई चेन से सीधे जुड़ेंगे

आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि बीआईआरसी 2025 में किसानों को शोधाकताओं, निर्यातकों, मिल मालिकों, विदेशी खरीदारों, स्टार्टअप्स और नीति निमार्ताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसान वैश्विक सप्लाई चेन से इतने बड़े स्तर पर सीधे जुड़ेंगे।

किसानों को मिलेगा ये लाभ

उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को पर्यावरण के अनुकूल खेती तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे धान उत्पादन में पर्यावरणीय प्रभाव कम किया जा सके। दूसरा, वे गैर-बासमती और बासमती चावल, दोनों की उच्च-मूल्य वाली किस्मों के लिए संभावित खरीदारों से मिल सकेंगे। कई राज्यों और क्षेत्रों में, किसान अभी भी पर्याप्त बाजार मांग पैदा करने के लिए संघर्ष करते हैं और अक्सर कम दामों पर बेचने को मजबूर होते हैं। बीआईआरसी 2025 में निर्यातकों के साथ सीधे बातचीत करके, वे बिचौलियों पर निर्भरता कम कर सकते हैं और अपनी फसलों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। तीसरा, किसान नई प्रौद्योगिकियों को समझने के लिए स्टार्टअप्स से जुड़ेंगे, जो मिट्टी की स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए पैदावार बढ़ा सकती हैं।

ग्रेट निकोबार परियोजना से भारत का समुद्री विश्व व्यापार कई गुना बढ़ेगा: अमित शाह

नई दिल्ली। इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने सोमवार को कहा कि पांच अरब डॉलर की ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना भारत के समुद्री व्यापार को कई गुना बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। साथ ही, देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और ग्लोबल साउथ के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना देश के समुद्री व्यापार में कई गुना वृद्धि करेगी। करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 42,000 करोड़ रुपये) की इस परियोजना से भारत की समुद्री कनेक्टिविटी और रणनीतिक क्षमताएं मजबूत होंगी। इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 के उद्घाटन समारोह में शाह ने कहा कि भारत के पास लोकतांत्रिक स्थिरता और मजबूत नौसैनिक क्षमता है। साथ ही, देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और ग्लोबल साउथ के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है। देश की समुद्री ताकत और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत बनाने के लिए मुंबई में इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमीत शाह ने 27 अक्तूबर को किया, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सवंवादाताओं से बातचीत करते हुए भारत के केंद्रीय पत्तान, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल कहा कि आज से, समुद्री सप्ताह शुरू हो गया है। समुद्री क्षेत्र की भूमिका, भारतीय समुद्री सप्ताह 2025 की शुरूआत हो गई है। यह साल 2023 में हुए शिखर सम्मेलन की तुलना का दोगुना हो गया है।

भारत 2047 तक जहाज निर्माण में शीर्ष पांच राष्ट्र बन जाएगा

उन्होंने कहा उद्घाटन सत्र ने पूरे शिखर सम्मेलन के लिए एक मानक स्थापित कर दिया है। इस समारोह में 350 से अधिक वैश्विक वक्ता हिस्सा ले रहे हैं और 11 से अधिक विदेशी मंत्री इसमें भाग ले रहे हैं। हम भविष्य में भारत को एक महाशक्ति बनाएंगे के लिए प्रतिबद्ध हैं। वैश्विक खिलाड़ियों का सहयोग, भारत 2047 तक जहाज निर्माण में शीर्ष पांच राष्ट्र बन जाएगा। नीति और सुधार हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्प्रेरक हैं, और हमारा आत्मविश्वास दोगुना हो गया है। कार्गो हैंडलिंग सुविधा, और कारोबार में विश्वास, भारत अपने दृष्टिकोण को कार्यरूप में बदलने के लिए तैयार है।

युवाओं की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण कार्यबल से मिलेगी मजबूती

इस क्षेत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन हमारी राह आसान करता है, सुशासन और पारदर्शिता ने हमारे बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाई है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के विकास, जहाज निर्माण और जहाज पुनर्चक्रण में मदद करेगा। अगले 22 वर्षों में, हम आत्मनिर्भर बनेंगे और दुनिया में एक अग्रणी विकसित देश बनेंगे। हमारे बंदरगाहों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना हमारा लक्ष्य है, जो अप्रत्यक्ष रूप से समुद्री अर्थव्यवस्था के निर्माण में योगदान देगा। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण भारत की वैश्विक मजबूती का मार्ग प्रशस्त करेगा। गुणवत्तापूर्ण कार्यबल और युवाओं की भागीदारी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है और भारत को वैश्विक समुद्री क्षेत्र में अपना दबदबा बनाने में मदद करेगी। मुख्यमंत्री क्लस्टर आधारित सुविधाओं के विकास के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और उन्हें जरूरी अन्य सभी सुविधाएं भारत सरकार की ओर से प्रदान की जाएंगी।

SPECIAL WISHES

दैनिक करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बच्चों के जन्मदिन पर उन्हें परिवार के बड़ों का आशीर्वाद मिलता है। मगर जन्मदिन जब बड़ों का हो तो बच्चों के लिए भी यह एक विशेष खुशी का दिन होता है। मनोज गोयल बंटी के जन्मदिन पर उनके बेटे गर्व गोयल और पुत्री कोपल ने स्पेशल विश के रूप में अपने प्यारे पापा के लिए दुनिया की हर खुशी मांगी। उनके उत्तम स्वास्थ्य यशस्वी जीवन और लंबी आयु की कामना की।

राशिफल

मेष: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें।

वृष: अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं।

कर्क: धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह: पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

कन्या: परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

तुला: थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक: शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्?थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी।

धनु: प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी।

मकर: कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुंभ: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन: अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

चुटकुले

साली- जीजा जी आप क्या करते हैं?
जीजा- मैं तो पायलट हूं।
साली- अच्छा जीजा जी, कौन सी एयरलाइन्स में पायलट है आप?
जीजा- अरे मैं वो घर की शादियों में ड्रोन उड़ाता हूं।
इसे सुनकर साली जी अभी तक बेहोश है

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो?
सोनू- जी, मंदिर चला जाता हूं...
डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां?
सोनू- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं...
उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

पत्नी: सुनो जी, मैं सुंदर लगती हूँ या नहीं?
पति: हाँ हाँ, बहुत!
पत्नी: झूठ मत बोलो!
पति: अच्छा तो सच बोल दूँ?
पत्नी: बस रहने दो... यही जवाब ठीक है!

28 10 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

अदिति राव हैदरी
(अभिनेत्री)

परी

शुभांकर चौहान

सपना सैनी

कविता पाल

निशी सिंह

मनोज गोयल (बंटी)

रामानन्द गोयल

कविन्द्र शिशौदिया

डा. कपिल शर्मा

राकेश गुप्ता

अनवर खान

सोनू

आनन्द कालरा

अनन्त देव कौशिक

गौरव

रजत तोमर

सन्नी चौधरी

पारूल

शाकिब कुरैशी

ललित सक्सेना

नरेश जैन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

युवा एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण पदक

मनामा। भारतीय भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई यूथ खेलों में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इन खेलों में देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। प्रीतिस्मिता ने क्लीन एंड जर्क और कुल वजन में यूथ का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 44 किलो भार वर्ग में 158 किलो वजन उठाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने स्नैच में 66 और और क्लीन एंड जर्क में 92 किलो वजन उठाया। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली प्रीतिस्मिता ने 150 किलो वजन उठाया।

प्रीतिस्मिता की स्नैच की दो लिफ्ट अगर विफल नहीं हुई होतीं तो उनका कुल वजन ज्यादा होता। स्नैच में वह पहली ही लिफ्ट में सफल हो सकीं, उन्होंने इसकी भरपाई क्लीन एंड जर्क में पूरी कर ली और 87, 90 और 92 की तीन लिफ्ट उठाईं। मोदीनगर में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक विजय शर्मा के संरक्षण में तैयारियां कर रहीं प्रीतिस्मिता जब दो वर्ष की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। उनका और उनकी बड़ी बहन का लालन-पालन उनकी मां ने किया। दोनों एथलेटिक्स करती थीं। वेटलिफ्टिंग कोच गोपाल दास ने दोनों को मां से वेटलिफ्टिंग में उतारने का अनुरोध किया। मां तैयार नहीं थीं, लेकिन कोच के समझाने पर वह राजी हुईं। प्रीतिस्मिता बीते वर्ष 40 भार वर्ग में विश्व यूथ चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं।

रोहित को ड्रेसिंग रूम में मिला ये खास मेडल

कोच गंभीर ने पूर्व कप्तान को जमकर सराहा

सीरीज के बाद रोहित को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज के मेडल से सम्मानित किया गया। इस दौरान ड्रेसिंग रूम में मौजूद सभी सदस्यों ने रोहित के लिए ताली बजाई और पूर्व कप्तान ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मुख्य कोच गौतम गंभीर ने जमकर सराहना की। रोहित और विराट कोहली ने इस सीरीज से करीब सात महीने से अधिक समय बाद भारतीय टीम में वापसी की थी। रोहित के लिए यह सीरीज अच्छी रही और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, वहीं पहले दो मैच में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने भी तीसरे वनडे में दमदार प्रदर्शन किया।

रोहित-कोहली के बीच हुई थी शतकीय साझेदारी

रोहित और कोहली सिडनी वनडे में दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की अविजित साझेदारी की जिससे भारत क्लीन स्वीप से बच गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडिया शेयर किया है जिसमें मैच के बाद गंभीर ड्रेसिंग रूम को संबोधित कर रहे हैं। गंभीर ने सलामी बल्लेबाज रोहित और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की सराहना की। गंभीर ने 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इस साझेदारी को बेहद अहम बताया।

इसके बाद मुख्य कोच ने रोहित और कोहली के बीच हुई साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि यह भी शानदार थी।

गंभीर ने फ्लू-डक्कू की साझेदारी को सराहा

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा, 'बल्ले से मुझे लगा कि शुभमन और रोहित के बीच की साझेदारी बहुत ही महत्वपूर्ण थी। फिर रोहित और विराट के बीच की साझेदारी भी शानदार रही। रोहित के बल्ले से शतक निकला जो लाजवाब था।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि रोहित और कोहली ने मैच फिनिश किया।' गंभीर ने इस बात पर खुशी जताई कि रोहित और कोहली दोनों ने नाबाद रहते हुए लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि यह टीम के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण था और हम इन लक्ष्यों का पीछा करते हुए कितने क्लिनिकल हो सकते हैं और हम बहुत अच्छे थे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडिया शेयर किया है जिसमें मैच के बाद गंभीर ड्रेसिंग रूम को संबोधित कर रहे हैं। गंभीर ने सलामी बल्लेबाज रोहित और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की सराहना की।

कोच ने हर्षित राणा का किया विशेष उल्लेख

गंभीर ने इस दौरान हर्षित राणा को भी सराहा जिन्होंने आखिरी वनडे मैच में 39 रन देकर चार विकेट लिए थे। गंभीर ने कहा, मुझे लगता कि गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया ने जिस तरह से शुरूआत की थी और 10 ओवर के बाद बिना किसी नुकसान के 63 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें 237 रनों पर रोकना वह एक बेहतरीन प्रयास था। हर्षित का विशेष उल्लेख कर रहा हूं क्योंकि उनका स्पेल लाजवाब था। मैं यही कहना चाहता हूं कि विनम्र रहो, जमीन से जुड़े रहो और कड़ी मेहनत करते रहो। यह सिर्फ शुरूआत है, अंत नहीं।

सीरीज के बाद रोहित को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज के मेडल से सम्मानित किया गया। इस दौरान ड्रेसिंग रूम में मौजूद सभी सदस्यों ने रोहित के लिए ताली बजाई और पूर्व कप्तान ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया। रोहित और कोहली रविवार को अपने घर लौट गए हैं, जबकि टी20 सीरीज में खेलने वाले खिलाड़ी टीम से जुड़ गए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब 29 अक्तूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

मौजूदा सत्र में किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी पीवी सिंधू

चोट से उबरने पर देंगी ध्यान

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मौजूदा सत्र में अब किसी बीडब्ल्यूएफ टूर टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। सिंधू ने यह फैसला पैर में लगी चोट से उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लिया है। सिंधू ने यूरोपीय चरण से पहले यह निर्णय लिया है। हैदराबाद की 30 वर्षीय शटलर ने कहा कि यह फैसला उनकी सहयोगी टीम और चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद लिया गया। इन चिकित्सा विशेषज्ञों में प्रसिद्ध खेल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भी शामिल हैं।

सिंधू ने कहा, अपनी टीम के साथ विचार विमर्श करने और डॉक्टर पारदीवाला से सलाह लेने के बाद हमने महसूस किया कि मेरे लिए 2025 में शेष सभी बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटना सबसे अच्छा होगा। यूरोपीय चरण से पहले मेरे पैर में जो चोट लगी थी वह अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। चोट लगना किसी भी खिलाड़ी के करियर का अहम हिस्सा होता है हालांकि इसे स्वीकार करना आसान नहीं होता है। इस तरह की परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं और आपको मजबूत होकर वापसी करने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

प्रतिका रावल महिला विश्व कप से बाहर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले भारत को झटका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ नवी मुंबई में खेले गए आखिरी लीग स्टेज मैच में प्रतिका कैच पकड़ते वक्त चोटिल हो गईं, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'जिस तरह से वह गिरी, उससे साफ हो गया कि वह नॉकआउट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'

टखने में आई चोट

यह घटना बांग्लादेश की पारी के 21वें ओवर में हुई। दीप्ति शर्मा की गेंद पर शर्मिन अख्तर ने मिडविकेट की ओर शॉट खेला। रावल गेंद रोकने के लिए बाईं ओर दौड़ीं, लेकिन उनका पैर अचानक स्लिप हो गया और उनका टखना मुड़ गया।

दर्द से कराहती रावल जमीन पर गिर पड़ीं। इसके बाद फिजियो की मदद से वह मैदान से बाहर गईं। इसके बाद वह भारत की पारी में बल्लेबाजी करने नहीं उतरीं। उनकी जगह अमनजोत कौर ने स्मृति मंधाना के साथ पारी की शुरूआत की। बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत ने 8.4 ओवर तक बल्लेबाजी की, जिसमें अमनजोत ने नाबाद 15 रन बनाए। मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

भारतीय टीम में मौका नहीं मिलने से निराश हैं

सरफराज खान

सोशल मीडिया पर किया क्रिप्टिक पोस्ट

फिटनेस पर किया काम...

जानकारी के मुताबिक, सरफराज को पहले फिटनेस कारणों से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किया गया था। उन्होंने आईपीएल 2025 सीजन के दौरान खुद को फिट करने के लिए कड़ी मेहनत की थी, लेकिन उनकी टीम में वापसी नहीं हो पाई। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पहले कहा था कि रणजी ट्रॉफी में लगातार रन बनाने के चलते करुण नायर ने सरफराज को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, इंग्लैंड दौरे के बाद करुण नायर बाहर हो गए, लेकिन सरफराज की वापसी फिर भी नहीं हुई।

नई दिल्ली। मुंबई के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए नजरअंदाज किए जाने से निराश नहीं हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें सरफराज ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म '12वीं फेल' का मशहूर गीत 'रीस्टार्ट' लगाया। उनकी इस पोस्ट से साफ है कि वह एक बार फिर अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

पिछले दो मैचों में सरफराज ने की थी शानदार बल्लेबाजी

सरफराज ने अपने पिछले दो फर्स्ट क्लास मैचों में शानदार बल्लेबाजी की थी।

उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 92 रन की पारी खेली थी, जबकि जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 42 और 32 रन बनाए थे। ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि उन्हें इंडिया ए टीम में जगह दी जाएगी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया।

श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती

फिलहाल आईसीयू में, तीसरे वनडे के दौरान लगी थी चोट

सिडनी। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और उन्हें फिलहाल आईसीयू में रखा गया है। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। बताया जा रहा है कि श्रेयस को आंतरिक रक्तस्त्राव हो रहा है। श्रेयस को बाईं पसलियों में चोट लगी थी जिस उन्हें कारण कम से कम तीन हफ्ते तक मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है, लेकिन अब लग रहा है कि उनकी मैदान पर वापसी में देरी भी हो सकती है। दरअसल, अय्यर सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी का कैच लेते समय चोटिल हो गए थे।

कैसे चोटिल हुए श्रेयस?

यह घटना तब हुई जब ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान कैरी ने हर्षित राणा की गेंद पर ऊंचा शॉट खेला। बैकवर्ड प्वॉइंट पर खड़े अय्यर ने तेजी से दौड़ लगाई और सफलतापूर्वक कैच पकड़ा लिया, लेकिन जमीन पर गिरते समय उनकी बाईं पसलियों पर जोरदार झटका लगा। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मैच के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रेयस की हेल्थ पर जानकारी दी थी और बताया था कि इस बल्लेबाज को अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।

श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। बताया जा रहा है कि श्रेयस को आंतरिक रक्तस्त्राव हो रहा है।

फिलहाल निगरानी में रहेंगे श्रेयस

सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, श्रेयस पिछले कुछ दिनों से आईसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट आने के बाद आंतरिक रक्तस्त्राव का पता चला और उन्हें तुरंत भर्ती कराना पड़ा। उनके स्वास्थ्य में सुधार के आधार पर उन्हें दो से सात दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा, क्योंकि रक्तस्त्राव के कारण संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में उतार-चढ़ाव के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने तत्परता दिखाई। सूत्रों ने कहा, टीम के डॉक्टर और फिजियो ने कोई जोखिम नहीं उठाया और श्रेयस को तुरंत अस्पताल ले गए। अब हालत स्थिर है, लेकिन यह जानलेवा हो सकता था। वह एक मजबूत खिलाड़ी हैं और जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

एक सप्ताह तक अस्पताल में रह सकते हैं श्रेयस

सूत्र ने कहा, 'चूंकि आंतरिक रक्तस्त्राव हुआ है, इसलिए उन्हें निश्चित रूप से ठीक होने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी और इस समय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में श्रेयस की वापसी के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करना मुश्किल है।' श्रेयस भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं जिसे 29 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलनी है।

सिर्फ वनडे खेल रहे हैं अय्यर

30 वर्षीय अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने कमर की समस्या के कारण पिछले छह महीनों से टेस्ट क्रिकेट से दूरी बनाई हुई है और हाल के समय में टी20 प्रारूप में भी शामिल नहीं किए गए हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में अय्यर ने 61 रनों की शानदार पारी खेली थी।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने किया टीम का ऐलान

चोट से ठीक होने के बाद कप्तान बावुमा की वापसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सोमवार को दक्षिण अफ्रीका टीम का एलान हो गया। कप्तान तेम्बा बावुमा पिंडली की चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। वह इस सीरीज में भारत के खिलाफ टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 14 नवंबर से होगा। पहला मुकाबला कोलकाता में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा।

भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए मैच में खेल सकते हैं बावुमा

बावुमा हाल ही में पाकिस्तान में हुई दो मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उस सीरीज में भाग लेने वाले अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। बावुमा मैच अभ्यास की कमी को पूरा करने के लिए दो नवंबर से दक्षिण अफ्रीका ए और भारत ए के बीच बंगलूरू में होने वाले चार दिवसीय मैच में भाग ले सकते हैं। इस मैच से ऋषभ पंत भी चोट से वापसी करेंगे।

तीन स्पिनरों को मौका

दक्षिण अफ्रीका ने साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरन मुथुस्वामी के रूप में अपने तीन प्रमुख स्पिनरों को टीम में शामिल किया है जिन्होंने पाकिस्तान में टर्निंग ट्रैक पर बड़ा प्रभाव डाला था और वे भारतीय बल्लेबाजों को उनकी धरती पर परेशान कर सकते हैं। यह देखना अभी बाकी है कि भारत किस तरह की पिचें तैयार करता है क्योंकि इस महीने की शुरूआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने पूरी तरह से टर्न लेने वाली पिचों का चयन नहीं किया था। कगिसो रबाडा, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कोच ने क्या कहा?

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, 'हमने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में भाग लेने वाली टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उन खिलाड़ियों ने असली जज्बा दिखाया और पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज बराबर करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम भारत में भी इसी तरह की चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं और उन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।'

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम: तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी जोरजी, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कागिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

साहिबाबाद में विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे
सांसद अतुल गर्ग, श्रद्धालुओं को दी पर्व की बधाई

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सांसद अतुल गर्ग ने छठ घाट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं से बात की और उनसे पूछा कि क्या उन्हें किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि छठ का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है और प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा, छठ का पर्व हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह पर्व हमें प्रकृति के करीब लाता है और हमें अपने जीवन में संतुलन बनाए रखने का संदेश देता है। उन्होंने आगे कहा,हमारे प्रशासन ने छठ घाट पर सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं।

हमें उम्मीद है कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। सांसद अतुल गर्ग ने श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा, हम सभी को मिलकर छठ पर्व को सफल बनाना है और अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लानी है।

वही वैशाली स्थित छठ घाट पर सांसद गाजियाबाद अतुल गर्ग पूर्व पार्षद, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा रहे सांसद के साथ, डॉ मनोज गोयल वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश त्रिपाठी का स्वागत वहां के अध्यक्ष नागेंद्र मिश्रा महासचिव सुभाष सिंह द्वारा किया गया इस अवसर पर हरिओम पांडे एन के मिश्रा श्यामवीर भदोरिया सहित हजारों की संख्या में लोगों ने छठ के कार्यक्रम में भाग लिया। खोड़ा मकनपुर छठ घाट पर पहुंचे सांसद अतुल गर्ग ढालो से की बात समिति के लोगों ने क्या सम्मानित। इस अवसर पर बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरुण शर्मा ,अमन शर्मा,संजीव गिरी सभासद,कौशल मिश्रा,रवि कुमार,आदित्य पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।

पार्षद मदन राय ने पत्नी के साथ की छठ पूजा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद मदन राय ने अपनी पत्नी के साथ छठ पूजा की और भगवान सूर्य की आराधना की। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और यह पर्व हमें प्रकृति के करीब लाता है। पार्षद मदन राय ने कहा, छठ पर्व हमें अपने जीवन में संतुलन बनाए रखने का संदेश देता है।

यह पर्व हमें प्रकृति की महत्ता को समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी पत्नी के साथ छठ पूजा करके बहुत ही खुश हूं। यह पर्व हमारे परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और हमें अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने का संदेश देता है। पार्षद मदन राय ने छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा, हम सभी को मिलकर छठ पर्व को सफल बनाना है और अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लानी है।

लगा लो कोई भी जुगत महासचिव को वीरो बाबा ही बनेंगे जगत

नेहरू जी वाली लैंड में पावर वाला बैंड पूरे जोर से बज रहा है। किसी को उम्मीद थी कि जमीन नेहरू जी के नाम पर और आवंटन तिवारी जी का है तो हाथ वाले आगे आयेंगे। मगर वो आगे तो क्या आते पीछे से भी साथ नहीं आये। सुना है जगत भी नतमस्तक हो गये और 50 सालों का रिलेशन खत्म हुआ। बताने वाले ने बताया कि जगत के पुत्र ने रिक्वेस्ट वाली रीत अपनाई। वो भी यहां नतमस्तक हुए और अनुरोध किया कि मेरे पिता का लाईफ टाईम लगाव है। जमीन आप ले लो मगर उन्हें मैदान से जुड़ा रहने दो। यहां पर जवाब उधर से ये आया कि उपाध्यक्ष या मंत्री के रूप में कंसीडर कर सकते हैं। महासचिव वाली जुबान तो हम वीरो बाबा को दे चुके हैं और वीरो बाबा ही महासचिव बनेंगे। बताने वाले बता रहे हैं कि तीन दिन के अंदर वीरो बाबा को इस केन्द्र का महासचिव बनाने की घोषणा उनके जीजा के मुख से हो जायेगी।

जैसे ही मानी उन्होंने अपनी मिस्टेक तो दो घंटे में हो गयी तमंचे वाली बेल

खेल ही कुछ ऐसा रचा गया कि तहरीर पहले लिखी गयी और बरामदगी से पहले मुलजिम थाने आ गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज बता देगी कि थाने से लेकर मैदान तक क्या हुआ है। 8 बजने का इंतजार इसलिए हुआ कि तहरीर में समय जो दिया गया था उसी के हिसाब से चलना था। जिसके पास कभी डंडा नहीं मिला वो पुलिसिया फंडा में आकर तमंचा रखने के आरोप में जेल चला गया। सुना है कि राज वालों ने भी राज की ताकत को समझ लिया। जैसे ही वो नतमस्तक हुए वैसे ही तमंचे वाले केस में अंदर गये राज को बेल मिल गयी। अब वो बेल के बाद पूरे खेल को समझ गये हैं। सुना है कि संदेश दे दिया गया है, और सब इस बात को समझ गये हैं कि चुप रहने में ही भलाई है।

गोबर वाले लक्ष्मी गणेश से क्या किसी पार्षद ने करी है अपने घर में भी पूजा

नगर निगम के अधिकारी अपनी सोशल जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वो दीपावली पर पार्षदों के घर शगुन के लड्डू , गोबर के लक्ष्मी गणेश और कैसरोल भिजवा रहे थे। बूंदी के लड्डुओं को लेकर पार्षद ने फेसबुक पर फफूंदी बिखेर दी। सुना है हलवाई की हिमायत में फूड वाले अफसर आ गये। निगम पार्षद के पास फूड वालों के फोन हलवाई की हिमायत में आ गये। हलवाई भी आग बबूला है और सुना है कि उसने भी निगम के पार्षद को 10 करोड़ का नोटिस भेजने की हूल दी है। इसी बीच केसरिया पार्षद ने भी चुटकी ली और कहा कि सबसे पहले ये पता करो कि जो गोबर के लक्ष्मी गणेश भेजे गये थे वो कितने पार्षदों ने अपने प्रतिष्ठान या मकान पर रखकर उनकी पूजा की है। एक बार पार्षदों से ये भी पूछ लो कि कैसरोल कैसा लगा और लड्डुओं का रायता तो फेसबुक पर बिखर ही गया है। सुना है पार्षद ने ही चुटकी ली और कहा कि अजी इन मैम्बरों के तो दिमाग ही इतने ज्यादा हवा में हैं कि इनके लिए कुछ भी कर दो ये उसमें कमी निकाल ही देंगे।

गोविंदपुरम में पूर्वांचल छठ पूजा सेवा समिति ने किया संध्या अर्घ्य का आयोजन

महिलाओं ने किया भगवान सूर्य को संध्या अर्घ्य समर्पित, धार्मिक वातावरण में गूंजे छठ गीत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सनातन धर्म शिव-हनुमान मंदिर, गोविंदपुरम में श्री पूर्वांचल छठ पूजा सेवा समिति द्वारा रविवार को छठ महापर्व का संध्या अर्घ्य विधिवत संपन्न कराया गया। व्रतधारी महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा स्थल पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। समिति सदस्यों ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं के लिए साफ-सफाई, जल व प्रकाश व्यवस्था की विशेष देखरेख की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से बबलू राघव, सविता त्यागी, संतोष श्रीवास्तव, बृजेश शाही, अप्पू शाही, संतोष कुमार, गणेश, मोहन जायसवाल, अरविंद केसरी, आशीष चौबे, राजीव श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र का मैदान
आधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगा : राजेन्द्र मित्तल

सफाई, फॉगिंग और प्रकाश व्यवस्था पर त्वरित कार्रवाई शुरू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र, अंबेडकर रोड पर अध्यक्ष राजेन्द्र मित्तल (मेदी वाले) की अध्यक्षता में सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के तुरंत बाद परिसर में सफाई और प्रकाश व्यवस्था के कार्य प्रारंभ कर दिए गए। इस दौरान लगभग 8 से 10 गाड़ियों कचरा उठवाया गया, जिससे पूरे मैदान और कार्यालय परिसर को स्वच्छ बनाया गया।

प्रदूषण एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव की भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। राजेन्द्र मित्तल ने बताया कि मैदान को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा ताकि शहर के युवाओं को एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुसंस्कृत माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई और प्रकाश व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता होगी। बैठक में मार्गदर्शक मंडल के जगत प्रकाश शर्मा, वीरेंद्र कुमार (वीरू बाबा) और रविंद्र कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में कार्य प्रारंभ किया गया।

मौके पर संजीव मित्तल, विशाल अग्रवाल (राजस्थान वाले), दुष्यंत गुप्ता, चेतन शर्मा, मनीष शर्मा, युवराज ठाकुर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ठेला विवाद में युवक की चाकू से हत्या आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा के ग्राम सलारपुर के पास ठेली लगाने के विवाद में एक व्यक्ति को एक युवक ने चाकू से गोद दिया। गंभीर हालत मे उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-39 पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सलारपुर कालोनी में रहने वाले राजन शाह पुत्र लाल साहब मूल निवासी जनपद छपरा उम्र 27 वर्ष का सुरेश पुत्र स्वर्गीय रमजान मंडल निवासी जनपद मोतीहारी बिहार उम्र 30 वर्ष से ठेला लगाने को लेकर रविवार की रात को विवाद हो गया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई। उन्होंने बताया कि सुरेश ने राजन शाह के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। वह इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया।

सम्राट चौक पर दो पक्षों में मारपीट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विजय नगर थाना क्षेत्र में सम्राट चौक के पास दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक की बेरहमी से पिटाई की जा रही है। वायरल हुए वीडियो के अनुसार, तीन युवक मिलकर रोहित नामक एक अन्य युवक की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, यह झगड़ा माता कॉलोनी में रहने वाले लल्ला, हितेश और दीपक ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया। पुलिस इस मामले का संज्ञान ले चुकी है और वायरल वीडियो के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जा सके।

महापौर सुनीता दयाल ने वार्ड 97 में किया सड़क का शिलान्यास

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सोमवार को रामप्रस्था वार्ड 97 में महापौर सुनीता दयाल व पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया है, जिसकी लागत 88 लाख है। यह कार्य 15वें वित्त आयोग के तहत किया जा रहा है और उन्होंने बताया क्षेत्रीय पार्षद श्री भगवान अग्रवाल ने इस सड़क के बारे में कई बार बताया था। समस्या का संज्ञान लेते हुए सड़क का आज सीसी शिलान्यास किया गया है बहुत जल्द ही वार्ड की सभी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान, महापौर ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पार्षद श्री भगवान अग्रवाल ने कहा, हमारी महापौर सुनीता दयाल वास्तव में विकास के लिए हमेशा तत्पर हैं। वह न केवल शहर के विकास के लिए काम कर रही हैं, बल्कि सभी पार्षदों का भी ध्यान रखती हैं। उनकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने आगे कहा, महापौर जी के नेतृत्व में हमारा शहर तेजी से विकास कर रहा है। हमें उम्मीद है कि आगे भी वह इसी तरह से शहर के विकास के लिए काम करती रहेंगी। पार्षद श्री भगवान अग्रवाल ने महापौर सुनीता दयाल को धन्यवाद देते हुए कहा, हम महापौर के आभारी हैं कि उन्होंने हमारे वार्ड में सीसी सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। यह हमारे वार्ड 97 के लिए एक बड़ा सौगात है। इस अवसर पर मुकेश अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता, पुष्कल सिंह, सुमित सिंह, वार्ड सचिव, सत्यवीर, रवि आहूजा, आदित्य वर्धन ढाका, संदीप, सियाल, लवली, विक्रम चौधरी, अखिलेश, कुलश्रेष्ठ, राकेश शर्मा, सरोज गुप्ता, कौशल्या अग्रवाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्मान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। बृज विहार मंडल उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी ने अपने कार्यालय पर भाजपा के वरिष्ठ एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं को दीपावली मिलन कार्यक्रम में उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर त्यागी, जगदीश्वर प्रसाद, नारायण सिंह, वीरेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, यू. सी. सक्सेना, वेद प्रकाश, नरेश जैन, विकास राजपूत, मुकुल चतुर्वेदी, लल्लन सिंह, अमित छोकर, अरविन्द मित्तल, जे.के. सहाय, संजय, उम्मेद सिंह, बृजेश सिंह, अरुण सिंह, गीता सिंह, पिंकी धीरज सिल्सवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या फिर होगी एक आईपीएस की एंट्री

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में त्यौहारी सीजन और सबसे बडे वीवीआईपी कार्यक्रम के होने के बाद एक नई चर्चा सुनाई दी है। पुलिस के ही सूत्रों ने बताया है कि आने वाले दिनों में एक आईपीएस की पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एंट्री की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि जिस आईपीएस अधिकारी को गाजियाबाद में आना है, उन्होंने लखनऊ से अपना कनेक्शन जोड़ लिया है और वह जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में पोस्टिंग पर सकते हैं। पुलिस के बीच से सुनने में आ रहा है कि यह कोई सीनियर आईपीएस अधिकारी नहीं बल्कि ट्रेनिंग पूरी करके आगे की प्रक्रिया में लगे आईपीएस अधिकारी हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एक कार्यालय में भी आईपीएस की एंट्री की कमिश्नरेट में चर्चा सुनाई दी है। तो उधर लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि अगर यह नए आईपीएस साहब कमिश्नरेट में आएंगे तो कमिश्नरेट के समीकरण भी बदल सकते हैं। बताया जा रहा है कि इनका मामला इन दिनों प्रदेश में नंबर दो की पोजीशन वाले साहब से काफी नजदीक है। यही वजह है कि यह पहली अच्छी पोस्टिंग एनसीआर के कमिश्नरेट में चाह रहे हैं। अब देखना होगा कि इनको कि कमिश्नरेट में एंट्री मिलती है और क्या जिम्मेदारी दी जाती है। उधर त्यौहारी सीजन आज लगभग समाप्ति की ओर है। तो उसके बाद फिर से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कई थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों के लिए खतरे वाली घंटी बज सकती है। उम्मीद जताई जा रही है कि लोकल वाली जो लिस्ट आएगी, उसमें सिटी जोन को लेकर बड़ा टविस्ट देखने को मिलेगा। इसमें दो थानों के प्रभारी थ्री-स्टार सेफ बताए जा रहे हैं। तो चार थानों के प्रभारी रडार पर आने की जानकारी मिल रही है। कुल मिलाकर ट्रांस हिंडन के भी दो विकेट गिरने का अनुमान जताया जा रहा है। तो वही देहात को लेकर भी भगवा विधायक के इलाके से कोई सूचना मिल सकती है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि अक्टूबर लास्ट या नवंबर का पहला सप्ताह लोकल वाली लिस्ट के लिए फिक्स बताया जा रहा है। कुल मिलाकर जिस तरीके से आईपीएस अधिकारी की गाजियाबाद में एंट्री होने की चर्चा सुनाई दे रही है, उसके भी कई परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेंगे। जिससे कई जोन और सर्किल के समीकरण भी बदल सकते हैं।

छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया
व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद में भगवान भास्कर की आराधना का महापर्व छठ धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। छठव्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देकर लोकमंगल की कामना की। छठव्रती महिलाएं छठ गीत गाती हुई हिंडन में स्थित छठ घाटों पर पहुंचीं। उन्होंने भगवान भास्कर का विधिवत पूजन-अर्चन किया इसके बाद लोगों ने पर्व को धूमधाम से मनाया। छठ महापर्व की शाम को अर्घ्य देने से पहले पुरबिया विकास मंच ने ट्रांस हिंडन क्षेत्र की नौ समितियों के 12 कुंडों में देवप्रयाग से लाया हुआ गंगाजल मिलाया। समाजसेवी अमित किशोर ने बताया कि इस अभियान में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और छठी मईया से क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की। इंदिरापुरम शिप्रा सनसिटी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को यादगार बनाने के लिए भव्य तैयारी की गई है। एओए व पार्षद समेत अन्य लोग तैयारियों में जोर शोर से जुटे हैं। यहां सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कृत्रिम घाट तैयार कर उसे सजाया गया है और व्रतियों की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। नीति खंड 3 में भी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष परविंदर यादव ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर घाट को सजाया और महिलाओं ने इसमें उतरकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। न्याय खंड 2 स्थित पार्क में छठ पूजा पर आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से पार्षद राधेश्याम त्यागी ने फल वितरण किए।

इर छठ मइया के गीत गाते हुए महिलाओं ने

सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। इस दौरान बच्चों भी उत्साह देखा गया। शिप्रा सन सिटी में भी छठ घाट पर सैकड़ों की संख्या में महिलाएं जुटीं और सामूहिक रूप से पर्व को मनाया गया। हिंडन छठ घाट पर सिविल डिफेंस के वॉलिंटियरों में यातायात व्यवस्था में पूरा सहयोग किया।

आईएमएस गाजियाबाद में कर्यक्रम 'सच' का आयोजन, डॉ. सुभाष चंद्रा के साथ विद्यार्थियों का प्रेरणादायी संवाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाज़ियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में हाल ही में आयोजित किए गए विशेष कार्यक्रम 'सच' में देश के जाने-माने मीडिया उद्यमी, समाजसेवी और उद्योगपति डॉ. सुभाष चंद्रा ने छात्रों तथा शिक्षकों के साथ एक विमर्शात्मक सत्र का संचालन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में आत्म-खोज, पैशन (जुनून) की पहचान, करियर-निर्णय और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया विकसित करना था। इस अवसर पर आईएमएस गाज़ियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस की डायरेक्टर डॉ. जसकिरण कौर, आईएमएस गाज़ियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के महासचिव डॉ. (सीए) राकेश छारिया, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का खास पहलू यह रहा कि छात्र-छात्राओं ने बहुत व्यक्तिगत और व्यावहारिक प्रश्न पूछे जैसे : पैशन कैसे खोजें, परिवार का विरोध होने पर क्या करें, किस प्रकार का करियर विकल्प चुनें, और फेल्योर का सामना कैसे करें। डॉ. चंद्रा ने प्रत्येक प्रश्न को धैर्य व अनुभव के साथ संभाला व्यक्तिगत कहानियों और जीवन के निर्णयों का साझा करके छात्रों को स्पष्ट और उपयोगी सलाह दी। डॉ. जसकीरन कौर ने कहा कि डॉ. सुभाष चंद्रा के विचार हमारे छात्रों के लिए अमूल्य हैं। महासचिव डॉ. (सीए) राकेश छारिया ने भी अतिथि का धन्यवाद करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी छात्रों को वास्तविक दुनिया के अनुभवों एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास का प्रयास जारी रखेगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। छठ सिखाता है , जो डूबता है, उसका भी उदय होता है, छठ पर्व की शुभकामनाओं के साथ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा ने एक संदेशभरी पोस्ट की। उनकी पंक्तियां जहां आस्था का अर्थ समझाती हैं, वहीं राजनीति के उतार-चढ़ाव पर भी इशारा करती दिखीं। कार्यक्रम में उनके साथ यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भी मौजूद रहे। शब्दों के घुमाव से सुसज्जित ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

नई चुनौतियों के सामने बड़ा समाधान पेश करते हैं भारत-आसियान, विकास में होंगे सहायक

नई दिल्ली। मलयेशिया में आयोजित 47वां आसियान शिखर सम्मेलन (26-27 अक्टूबर) भारत की दृष्टि से कई मायनों में सफल रहा है। सम्मेलन में भारत ने 2026 को भारत-आसियान समुद्री सहयोग वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया है। इससे भारत के मत्स्य व्यापार को आगे बढ़ाने और समुद्री सीमाओं के द्वारा होने वाले व्यापार को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। कई मायनों में यह प्रस्ताव भारत और आसियान के परस्पर विकास की संभावनाओं को मजबूत करने वाला है। इसके पूर्व 2025 को पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने का प्रस्ताव किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल तरीके से आसियान समिट को संबोधित करते हुए भारत और आसियान देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को बढ़ावा देने की बात कही है। भारत पहले से ही इंग्लैंड सहित दुनिया के तमाम देशों के साथ एफटीए व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। इससे आसियान के 11 देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में सफलता मिलेगी। मोदी ने 21वीं सदी को भारत और आसियान देशों की सदी बताया है। यदि भारत और आसियान देशों के बीच आपसी व्यापार को बढ़ावा मिलता है तो इससे पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई प्राप्त होगी।

अमेरिका के साथ हुए टैरिफ विवाद ने भारत के व्यापार के सामने नए तरह की चुनौतियां पेश की हैं। इस विवाद ने भारत को इस बात के लिए सावधान कर दिया है कि वह व्यापार के लिए किसी एक देश पर एक सीमा से अधिक निर्भर नहीं रह सकता है। ऐसे में आसियान देशों के साथ एफटीए समझौतों के अंतर्गत आगे बढ़ने से न केवल वर्तमान में भारत की व्यापारिक चिंताएं कम होंगी, बल्कि यह भविष्य के लिए भी एक असेट साबित होगा।

अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापित करने में विशेष भूमिका निभा सकता है आसियान: चीन के साथ वियतनाम के संबंध तनावपूर्ण स्थिति में हैं। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध रहे हैं। इसके साथ-साथ दोनों देशों के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध भी परंपरागत रूप से मजबूत रहे हैं। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में दक्षिण चीन सागर पर आधिपत्य को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यदि दोनों देशों में तनाव बढ़ता है तो अमेरिका और रूस की इसमें दखलंदाजी बढ़ सकती है जो दुनिया की शांति और व्यापार की संभावनाओं की दृष्टि से किसी भी तरह उचित नहीं होगी।

भारत और आसियान देश दुनिया की लगभग 25 प्रतिशत आबादी और एक बड़े व्यापार को प्रभावित करने वाले देश हैं। यदि ये देश अपने प्रभाव का सही इस्तेमाल करें तो भविष्य में चीन-वियतनाम के बीच तनाव को कम कर दुनिया को शांति की ओर बढ़ाया जा सकता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए चीन-वियतनाम के बीच तनाव को सही नहीं माना जा रहा है। ऐसे में आसियान और भारत इस तनाव को कम करने में प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

विशेष सहयोगी साबित हो सकते हैं ये देश

आसियान देशों में शामिल मेजबान देश मलयेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और सिंगापुर में भारतीय पर्यटक बड़ी संख्या में जाते हैं। ये इन देशों की अर्थव्यवस्था में भारी योगदान देते हैं। इसके उलट सिंगापुर, थाईलैंड और कंबोडिया से बड़ी संख्या में पर्यटक भारत आते हैं। विशेषकर बौद्ध परंपरा से जुड़े पर्यटक भारत में भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों के पर्यटन के लिए भारत आते हैं। ऐसे में इन देशों के साथ पर्यटन बढ़ाने से इसका सहयोग पूरे क्षेत्र को होगा और आसियान के सिद्धांतों के अनुसार पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। आसियान ने कम्युनिटी विजन 2045 को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान की इस सोच को अपना समर्थन देते हुए कहा है कि भारत आसियान देशों के हर संकट में पहला सहयोगी बने रहने की भूमिका लगातार निभाएगा। आसियान देशों का भारत के साथ मजबूत होता संबंध उसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्थिति भी मजबूत करेगा।

इंटरनेट को केवल गूगल के हाथ में न छोड़ें: अरविंद श्रीनिवास

वॉशिंगटन। परप्लेक्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद श्रीनिवास ने फिर से अपनी कंपनी के नए कॉमेट एआई (उड्ढ्रीइ अक) ब्राउजर को बढ़ावा दिया है। इसका मकसद इंटरनेट पर गूगल के दबदबे को कम करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने कॉमेट ब्राउजर का एक छोटा वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'इंटरनेट बहुत अहम है, इसे गूगल के हाथ में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।'

श्रीनिवास की कंपनी ने गूगल के लोकप्रिय क्रोम ब्राउजर को 34.5 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी। इसके बाद परप्लेक्सिटी ने अपना खुद का एआई-संचालित ब्राउजर कॉमेट लॉन्च किया, जो गूगल क्रोम का प्रतिद्वंद्वी है। यह ब्राउजर क्रोमियम ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क पर बनाया गया है और उपयोगकर्ताओं (यूजर्स) को वही अनुभव देने का दावा करता है, जिससे वह पहले से परिचित है।

अगस्त में परप्लेक्सिटी ने गूगल के क्रोम ब्राउजर को खरीदने के लिए 34.5 अरब डॉलर की नकद पेशकश की। तीन साल पुराने इस स्टार्टअप ने औपचारिक रूप से गूगल को यह पेशकश भेजी, जबकि खुद की संपत्ति कुल 18 अरब डॉलर थी। क्रोम के दुनियाभर में तीन अरब से अधिक यूजर्स हैं। इसलिए अगर परप्लेक्सिटी इसे खरीद लेती, तो उसे एआई आधारित खोज (सर्च) में गूगल जैसी बड़ी कंपनी के साथ प्रतिस्पर्धा करने में बहुत फायदा मिलता। परप्लेक्सिटी ने अपनी 34.5 अरब डॉलर की पेशकश में नियामक और यूजर्स चिंताओं का समाधान करने की प्रतिबद्धता भी शामिल की थी। कंपनी ने योजना बनाई थी कि दो वर्षों में क्रोम के विकास और बुनियादी ढांचे में तीन अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा।

बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर साधा निशाना अमेरिकियों से बोले- यह काले दिन हैं, फिर से उठो...

वॉशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडन ने अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शक्ति की सीमाओं की जांच पर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राष्ट्रपति ने इन दिनों को 'काले दिन' करार दिया और अमेरिकियों से कहा कि वे आशावादी बने रहें और हताश न हों।

उन्होंने कहा, 'दुनिया के इतिहास में अपनी स्थापना के समय से ही अमेरिका शक्तिशाली विचार का प्रतीक रहा है। यह विचार किसी भी सेना से मजबूत है। हम किसी भी तानाशाह से अधिक ताकतवर हैं।' प्रोस्टेट कैंसर के लिए रेडिएशन थेरेपी पूरी करने के बाद बाइडन (82 वर्षीय) ने पहला सार्वजनिक भाषण दिया। उन्होंने रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) बोस्टन में एडवर्ड एम. कैनेडी इंस्टीट्यूट से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अमेरिका ऐसे राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, जिसकी शक्ति सीमित हो, एक काम करने वाली कांग्रेस हो और न्यायपालिका स्वतंत्र हो। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार अपने दूसरे सबसे लंबे शटडाउन का सामना कर रही है। लेकिन ट्रंप ने इसे भी सत्ता पर नई पकड़ बनाने के लिए इस्तेमाल किया। बाइडन ने कहा, दोस्तों, मैं इसे छिपा नहीं सकता। ये काले दिन हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि देश फिर से अपनी सही दिशा पाएगा और जैसा हमेशा होता आया है। अगर हम भरोसा बनाए रखते हैं, तो एक मजबूत, समझदार और अधिक लचीला, अधिक न्यायपूर्ण अमेरिका उभरेगा। बाइडन ने उन लोगों के उदाहरण भी दिए, जो मौजूदा प्रशासन से धमकियों के बावजूद अपने अधिकारों के लिए खड़े हुए हैं। उन्होंने उन संघीय कर्मचारियों का जिक्र किया, जिन्होंने विरोध में इस्तीफा दिया। उन्होंने उन विश्वविद्यालयों और हास्य कलाकारों का भी जिक्र किया, जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के निशाने का सामना किया।

बाइडन ने उन निर्वाचित रिपब्लिकन पदाधिकारियों की भी सराहना की, जो ट्रंप प्रशासन के खिलाफ वोट करते हैं या खुलकर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका कोई काल्पनिक कहानी नहीं है। पिछले ढाई सौ वर्षों से यह खतरे और संभावनाओं के बीच निरंतर संघर्ष कर रहा है।

उन्होंने अपने भाषण को लोगों से कहकर समाप्त किया- फिर से उठो। बाइडन ने जनवरी में एक कार्यकाल पूरा करने के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ा। उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने की कोशिश तब छोड़ दी थी, जब ट्रंप के साथ एक खराब बहस और उम्र, स्वास्थ्य और मानसिक फिटनेस को लेकर दबाव बढ़ गया। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने तुरंत चुनाव लड़ने की घोषणा की, लेकिन वह पिछले नवंबर में ट्रंप से हार गईं।

मलयेशिया में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मिले जयशंकर

कुआलालंपुर। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मलयेशिया में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। मलयेशिया में आयोजित किए जा रहे आसियान सम्मेलन से इतर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार समझौते पर बात हुई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'सुबह कुआलालंपुर में अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रूबियो से मिलकर खुशी हुई। इस मुलाकात में हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत हुई।' दोनों नेताओं की मुलाकात का समय बेहद अहम है। दरअसल अमेरिकी टैरिफ के चलते दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ा खिंचाव है। मलयेशिया में अपने हालिया बयान में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारत से रिश्तों की कीमत पर पाकिस्तान से संबंध मजबूत नहीं करेगा अमेरिका।

नेपाल में हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस से चार लोगों की मौत

मृतकों में सामान ढोने वाले और पर्वतारोही शामिल

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में अलग-अलग घटनाओं में ऊंचाई वाले क्षेत्र से जुड़ी बीमारी (हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस) के कारण चार लोगों की मौत हो गई। इनमें सामान ढोने वाले और पर्वतारोही शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गंडकी प्रांत के मनांग जिले में सामान ढोने वाले दिल बहादुर गुरुंग और सांगा घाले व पर्वतारोही राम बहादुर थापा मगर की मौत हुई। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक बयान में बताया कि गुरुंग और घाले विदेशी पर्वतारोहियों का सामान ले जा रहे, तभी उन्हें ऊंचे क्षेत्र से जुड़ी बीमारी हो गई और बाद में उनकी मौत हो गई।

एनडीआरआरएमए ने बताया, पर्वतारोहण से लौटने के बाद राम बहादुर को उनके होटल के कमरे में मृत पाया गया। इसी तरह, कास्की जिले के अन्नपूर्णा बेस कैंप क्षेत्र में पर्वतारोहण के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्र की बीमारी से पीड़ित नेपाली नागरिक सूरज मान श्रेष्ठ की शनिवार को उनके होटल में मृत्यु हो गई।

इसके अलावा, एक स्पेनिश नागरिक (31 वर्षीय) उत्तरी कंचनजंगा पर्वत के बेस कैंप से लौट रहे थे, शनिवार को वह भी इस बीमारी से पीड़ित हो गए। उन्हें तप्लेजुंग जिले के फक्तांगलुंग गांव के एक गेस्ट हाउस से बचाया गया, जहां वह आराम कर रहे थे।

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें उसी दिन काठमांडू हवाई मार्ग से उपचार के लिए भेजा। कास्की जिले का अन्नपूर्णा क्षेत्र और उत्तरी नेपाल का मुस्तांग जिला वर्तमान में पर्वतारोहण के लिए हजारों घरेलू और विदेशी पर्यटकों से भरा हुआ है।

'अगले साल की शुरूआत में हो सकती है क्वाड बैठक, पीएम मोदी होंगे मेजबान'

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उम्मीद जताई है कि क्वाड देशों की अगली बैठक अगले साल की पहली तिमाही में हो सकती है। उन्होंने चार देशों- भारत, अमेरिका, जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया के गठजोड़ वाले इस समूह को एक अहम मंच करार दिया। गौरतलब है कि भारत में इसी साल क्वाड सम्मेलन होना था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये और जापान में जारी सियासी उठापटक के चलते अब इस बैठक की उम्मीद कम ही है।

अल्बनीज ने रविवार आसियान सम्मेलन के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ह्लक्वाड एक अहम फोरम है, जो ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान और भारत को जोड़ता है। मुझे उम्मीद है कि इसकी बैठक अगले साल की पहली तिमाही में होगी ह्व उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की मेजबानी करेंगे। क्वाड सम्मेलन में देरी को लेकर पर पूछे गए सवाल पर अल्बनीज ने कहा कि यह व्यस्त शिखर सम्मेलन सत्र है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काफी व्यस्त कार्यक्रम में बंधें हैं।

आसियान देशों के दौरे पर हैं ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों एशिया के तीन देशों के दौरे पर हैं। वे मलयेशिया में आसियान सम्मेलन में शामिल होने के बाद जापान रवाना हुए और वहां से दक्षिण कोरिया जाएंगे, जहां वे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। इससे पहले अगस्त में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ट्रंप ने इस वर्ष भारत यात्रा की योजना रद्द कर दी है, क्योंकि उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते तब से तनाव में हैं जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत कर लगा दिया।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता में गतिरोध जारी तालिबान ने टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई से किया इनकार

इस्तांबुल। तुर्किये के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में रविवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता में गतिरोध बना रहा। अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ 'विश्वसनीय कदम' उठाने की बात से हिचकिचाता रहा। पाकिस्तान दावा करता आया है कि इन आतंकी संगठनों के ठिकाने अफगानिस्तान में हैं।

'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, वार्ता के दूसरे दिन भी दोनों पक्ष आतंकवादी संगठनों को खत्म करने को लेकर कोई साझा राय नहीं बना सके। करीब नौ घंटे की गहन चर्चा के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि उनकी टीम ने अफगानिस्तान के सामने अपनी अंतिम स्थिति रखी और जोर दिया कि तालिबान शासन को सीमा पार और अफगानिस्तान के भीतर आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम उठाने होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि अफगान तालिबान की ओर से आतंकवादियों का संरक्षण स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि तालिबान की प्रतिक्रिया तर्कहीन और वास्तविकताओं के विपरीत रही। अधिकारी ने यह भी आरोप लगाते हुए कहा, ऐसा लगता है कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल किसी और एजेंडा पर चल रहा है।

शांति वार्ता पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने क्या कहा?

अखबार ने कहा कि यह शक तब और गहरा हो गया, जब इस्तांबुल में वार्ता के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लीपा सेक्टर में कथित रूप से संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ। आधिकारिक तौर पर हताहतों की कोई सूचना नहीं मिली। लेकिन स्थानीय लोगों ने रविवार शाम तेज गोलीबारी की सूचना दी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तालिबान का यह रुख अफगानिस्तान, पाकिस्तान और क्षेत्र के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि वार्ता में आगे की प्रगति अफगान तालिबान के 'सकारात्मक रुख' पर निर्भर करेगी।

अफगान तालिबान ने नहीं दिया लिखित आश्वासन

अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को पाकिस्तान की मांगों पर लिखित में जवाब दिया। जिसके बाद इस्लामाबाद ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की। दोपहर बाद तुर्किये और कतर के वरिष्ठ मध्यस्थों की मौजूदगी में हुई दूसरी बैठक में शुरूआत में उम्मीद जगी। लेकिन लंबे विचार-विमर्श के बाद अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडल ने कोई लिखित आश्वासन देने से इनकार कर दिया।

दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल में कौन शामिल थे?

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल में आईएसआई, सैन्य अभियान निदेशालय और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ सुरक्षा और खुफिया अधिकारी शामिल थे। वहीं, अफगान पक्ष का नेतृत्व उप गृह मंत्री मौलवी रहमतुल्लाह नजीब ने किया और इसमें तालिबान के वरिष्ठ नेता अनास हक्कानी, सुहैल शाहीन, नूरुर रहमान नुसरत और अब्दुल कहार बाल्खी शामिल थे।

यह संघर्ष तब शुरू हुआ, जब तालिबान सरकार ने काबुल में हुए धमाकों का आरोप पाकिस्तान पर लगाया। इसके बाद सीमा पर जवाबी हमले हुए। दोनों देशों ने पहले 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी, लेकिन वह कुछ ही समय में टूट गया। इसके बाद कतर और तुर्किये की मध्यस्थता में रविवार को दूसरा संघर्ष विराम किया गया, जो फिलहाल कायम है।

जयशंकर ने आसियान सम्मेलन से इतर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से की मुलाकात

कुआलालंपुर। आसियान शिखर सम्मेलन के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मलयेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से अलग-अलग मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

कुआलालंपुर में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के वार्षिक सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने यह बैठकें कीं। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन से उनकी मुलाकात बेहद सकारात्मक रही और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्होंने लक्सन को गर्मजोशी भरे शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड एक मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं।

मलयेशिया के साथ सहयोग पर जोर

जयशंकर ने मलयेशियाई विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन से भी मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने म्यांमार की स्थिति पर भी विचार साझा किए। जयशंकर ने अपने मलयेशियाई समकक्ष को सफल आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत और मलयेशिया के बीच व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

मलयेशियाई प्रधानमंत्री से भी हुई वार्ता

इससे पहले रविवार को जयशंकर ने मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी वार्ता की थी। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को और गहरा करने तथा ह्यपीपल-टू-पीपल कनेक्टह्न को बढ़ाने पर जोर दिया था। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री के विचार भारत-मलयेशिया सहयोग को सशक्त करने में सहायक हैं।

आसियान की क्षेत्रीय अहमियत पर भारत का फोकस

गौरतलब है कि मलयेशिया इस वर्ष आसियान समूह का अध्यक्ष है और सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 11 देशों का यह समूह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली संगठनों में से एक माना जाता है। भारत, अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इसके संवाद साझेदार हैं।

भारत लंबे समय से आसियान देशों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर काम कर रहा है।

अर्जेंटीना: मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति मिलेई की पार्टी को मिली बड़ी जीत

अर्जेंटीना। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जावियर मिलेई ने रविवार को संपन्न मध्यावधि चुनावों में प्रमुख जिलों में निर्णायक जीत हासिल की। इस जीत के साथ उन्हें कांग्रेस (संसद) में मजबूती मिली है। इससे वह अपने सख्त मुक्त बाजार सुधारों को लागू कर पाएंगे। उन्हें अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से अरबों डॉलर के समर्थन की उम्मीद है।

मिलेई की पार्टी ने हासिल किए 40 फीसदी वोट

स्थानीय मीडिया और चुनाव प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, मिलेई की पार्टी 'ला लिबर्टाड अवांजा' ने राष्ट्रीय चुनावों में 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। पार्टी को निचले सदन के लगभग आधे सदस्यों को दोबारा चुनने में सफलता मिली। सीनेट के एक तिहाई सदस्यों के चुनाव में भी उनकी पार्टी ने आठ प्रांतों में से छह में जीत दर्ज की। इसके मुकाबले वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाले विपक्ष ने केवल 31 फीसदी वोट हासिल किए, जिसे विश्लेषकों ने कई वर्षों में गठबंधन का सबसे कमजोर प्रदर्शन बताया।

मिलेई ने जीत के बाद कहा कि उनकी पार्टी निचले सदन में 37 सीट से बढ़कर 101 सीट और सीनेट में 14 और सीट जीतकर कुल 20 सीट हासिल कर चुकी है। इस मजबूत स्थिति से उनके लिए राष्ट्रपति वीटो लागू करना, महाभियोग रोकना और आगामी महीनों में कर और श्रम सुधार लागू करना आसान होगा। मिलेई ने अपने पार्टी मुख्यालय में मंच पर आकर अपनी प्रसिद्ध डैथ-मेटल धुन के कुछ शब्द गाए और कहा, 'मैं एक खोई हुई दुनिया का राजा हूं।'

महापौर सुनीता दयाल ने किए 10 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

15वें वित्त आयोग से पहली बार इतने बड़े स्तर पर सड़क निर्माण को मिली स्वीकृति

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने रविवार को 15वें वित्त आयोग की धनराशि से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत वाले आठ विकास कार्यों का शिलान्यास किया। सभी कार्यों में केवल सड़क निर्माण और मरम्मत शामिल हैं।

महापौर ने बताया कि इस बार अधिक वर्षा के कारण शहर की कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। शहरवासियों को राहत देने के लिए नगर निगम ने पहले से तैयारी की और इन सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा, इस बार 15वें वित्त से पहली बार इतने बड़े स्तर पर सड़क निर्माण कार्यों को मंजूरी मिली है, जिससे हर वार्ड में विकास की रफ्तार दिखेगी। महापौर ने बताया कि लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से 8 प्रमुख सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि बाकी सड़कों के लिए टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। शिलान्यास समारोहों में नागरिकों ने फूलमालाओं से महापौर का स्वागत किया। महापौर ने भी सभी महिलाओं को अपने हाथों से मालाएं पहनाईं और शिलान्यास का प्रसाद वितरित किया।

हर वार्ड में विकास की नई रफ्तार

महापौर बोलीं : अब बदहाल सड़कें होंगी दुरुस्त

मुख्य बातें

- शहर में 10 करोड़ की सड़कें मंजूर : 15वें वित्त आयोग से जारी धनराशि से केवल सड़क निर्माण कार्य किए जाएंगे।
- हर वार्ड को मिला विकास का लाभ
- महापौर ने कहा, हर वार्ड में एक-एक कर कार्यों को स्वीकृति दी जा रही है।
- बारिश से टूटी सड़कों पर प्राथमिकता
- महापौर ने कहा कि सबसे पहले उन्हीं सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है जो बारिश में सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुई।
- जनता ने जताया आभार : हर स्थान पर नागरिकों ने महापौर का स्वागत कर धन्यवाद व्यक्त किया।

कार्यक्रम में पार्षद नीलम, मनोज त्यागी, रंजीता कल्याणी, श्रीभगवान अग्रवाल, राहुल शर्मा, कविता भाटी, प्रमोद राघव, सुधीर कुमार, राजेश पहलवान, सतीश यादव, सुरेश यादव, संजय कौशिक, राजीव डागर, गुलशन कुमार, हिमांशु पराशर, सुमन सिंह, प्रवीण भाटी, श्रीश्याम समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

विकास कार्यों की सूची

- वार्ड 19, पटेल नगर — लाल चौक अमित ट्रेलर से आर.के. स्टील तक सड़क निर्माण, लागत 71 लाख रुपए।
- वार्ड 56, चिरंजीव विहार — साईं मंदिर सेक्टर-2 मार्केट से विजय कॉलेज तक सड़क निर्माण, लागत 1.74 करोड़ रुपए।
- वार्ड 97, रामप्रस्था सी ब्लॉक — डॉ. सम्पूर्ण वर्मा से दिल्ली बॉर्डर तक सड़क सुधार कार्य, लागत 88 लाख रुपए।
- वार्ड 28, राजीव कॉलोनी — नरेंद्र मोहन हॉस्पिटल से बिजलीघर तक सड़क निर्माण, लागत 2.25 करोड़ रुपए।
- वार्ड 83, राजेन्द्र नगर — आशीर्वाद अपार्टमेंट से गोल पार्क तक सड़क सुधार, लागत 1.27 करोड़ रुपए।
- मोहन नगर क्षेत्र — लाजपत नगर कट से मौर्य रोड/जिंदल रोड तक सड़क निर्माण, लागत 1.90 करोड़ रुपए।
- वार्ड 16, सिखरोड गांव — भोला पंडित से राजीव डागर के मकान तक सड़क निर्माण, लागत 54 लाख रुपए।
- वार्ड 42, बम्हेटा गांव — चामुंडा मंदिर से सतीश यादव के मकान तक सड़क निर्माण, लागत 14 लाख रुपए।

पिलखुवा नगर में पहली बार बना छठ पूजा स्थल

नगरपालिका अध्यक्ष विभू बंसल ने किया लोकार्पण, महिलाओं ने जताया आभार

पिलखुवा, करंट क्राइम। नगर के मोहल्ला बजरंगपुरी में पहली बार छठ पूजा स्थल का निर्माण किया गया है। रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल ने सम्मानित नागरिकों के साथ इस स्थल का लोकार्पण किया।

छठ पर्व पर पूजा के लिए नगर में यह पहला स्थायी स्थल बनना स्थानीय लोगों के लिए खुशी का विषय रहा। पूजा में आईं माताओं और बहनों ने कहा कि अब उन्हें पूजा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष विभू बंसल का इस पहल के लिए आभार जताया।

इस अवसर पर नगर मण्डल अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी, सभासद सुनीता सिरोही, अंशुल मित्तल, वरुण शर्मा, विपिन अग्रवाल, अमित टांक, हिमांशु अग्रवाल, विनय, विकास तोमर, कमल कंसल, गुड्डू प्रजापति, धर्मेन्द्र निषाद, हरिहर यादव, अशोक कुमार, रामनवाल निषाद सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हरनंदीपुरम योजना में किसानों से भूमि क्रय करने की प्रक्रिया तेज हो : अतुल वत्स

जीडीए उपाध्यक्ष ने की सभी अनुभागीय अधिकारियों के साथ बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने तमाम अनुभागीय अधिकारियों के साथ हरनंदीपुरम योजना की भूमि क्रय करने की प्रक्रिया की समीक्षा की। इस दौरान भूमि क्रय करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के दिशा निर्देश दिए गए। ओएसडी प्रथम को निर्देशित किया कि फील्ड में उतरे और किसानों से सीधा संवाद करें।

इस दौरान उन्होंने साफ किया कि किसानों से भूमि क्रय करने की प्रक्रिया के बीच थर्ड पार्टी हस्तक्षेप न हो। उन्होंने ये भी निर्देशित किया कि हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाए ताकि किसानों के किसी तरह के सवाल अथवा जिज्ञासा हो तो उन्हें सीधा उचित जानकारी मिल सके। बैठक के दौरान प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने अधीनस्थ अधिकारियों को पहल पोर्टल को अधिक सार्थक बनाने के लिए तमाम स्कीमों के आवंटियों को लेटर भेजे जाए और प्राधिकरण में उपलब्ध रिकार्ड अथवा मोबाइल नंबर आदि का उल्लेख किया जाए, ताकि जिन आवंटियों के प्राधिकरण रिकार्ड में मोबाइल नंबर आदि का उल्लेख नहीं है वह एक बार प्राधिकरण में आकर रिकार्ड को अपडेट करा सकें ताकि घर बैठे उन्हें सेवाएं उपलब्ध करायी जा सकें। बैठक में प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने तमाम नोडल एवं प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि तमाम योजनाओं का एक-एक ले आउट लेकर प्रोपर्टी को पहल पोर्टल पर अपलोड कराया जाए। उल्लेखनीय है कि पहल पोर्टल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लांच किया गया था। इसके बाद से पहल पोर्टल नित्य नए मुकाम हासिल कर रहा है।

छठ पूजा पर कमिश्नरेट की सुरक्षा व्यवस्था रही दुरुस्त

प्रत्येक छठ पूजा स्थल पर तैनात की गई थी महिलापुलिसकर्मी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ के तीसरे दिन सोमवार को गाजियाबाद में डूबते सूरज को अर्घ्य देने का पूजन किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जॉन के डीसीपी स्तर के अधिकारियों ने दोपहर से ही अलग-अलग छठ घाट और प्रमुख उपासना केंद्रों पर निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तो वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के 200 से अधिक स्थानों पर महिला सब इंस्पेक्टर की छठ पूजा शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए ड्यूटी लगाई गई थी।

एडिशनल सीपी और डीसीपी ट्रैफिक रहे फील्ड पर मौजूद

करंट क्राइम : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश था कि छठ पूजा के आयोजनों में पुलिस के अधिकारी फील्ड पर उतर के जिम्मेदारियां की कमान संभाल लेंगे। जिसके तहत पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ,एसीपी मसूरी लिपि लगायच ने मुरादनगर गंग नहर में कमान संभाली, तो निरीक्षण भी किया। तो वहीं डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने विजयनगर प्रताप विहार के अलग-अलग छठ घाट में एसीपी कोतवाली रितेष त्रिपाठी के साथ निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तो वही डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने साहिबाबाद हिंडन नदी और खोड़ा छठ घाट पर एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के साथ छठ व्रतधारियों को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई। तो वही डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन भी ट्रैफिक व्यवस्था में लगे रहे। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल, एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने भी कमान संभाली।

लुटेरों के साथ क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस की मुठभेड़

दो बदमाशों को लंगड़ा कर दबोचा

सिटी जोन में लगातार बदमाशों पर पुलिस की कार्रवाई जारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में पुलिस और लुटेरों के बीच सोमवार तड़के हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि उनके दो साथी भागने की कोशिश में गिरफ्तार कर लिए गए। पुलिस ने मौके से तमंचे, कारतूस, लूटा गया सामान और घटना में प्रयुक्त ई-ऑटो बरामद किया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के अनुसार, बीते शनिवार को एक महिला से ई-ऑटो में सवार बदमाशों ने जेवर और मोबाइल लूट लिए थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस को सोमवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि वही बदमाश रिछपालगढ़ी पुलिया के पास नीले रंग के ई-ऑटो में मौजूद हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में इरफान और शहाब के पैरों में गोली लगी, जबकि उनके साथी अमन और नाजिम को दबोच लिया गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चारों के कब्जे से दो तमंचे .315 बोर, चार कारतूस, लूटी गई ज्वेलरी, मोबाइल फोन और ई-ऑटो बरामद किया है।

अकेली महिलाओं को बनाते थे निशाना

करंट क्राइम : एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया है कि पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वह बुजुर्ग या अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर सुनसान जगहों पर ले जाकर तमंचे की नोक पर जेवर और मोबाइल लूटते थे। गिरोह का सरगना अमन ई-ऑटो चलाता था, जबकि बाकी तीन सवारी बनकर बैठते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सिटी जोन में लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और पुलिस ने कई लूटेरों को हाल के दिनों में गिरफ्तार किया है।

उठते सवालों का करंट

- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमको समझ नहीं आ रहा है उनकी राजनीति का अंदाज ? वो खुद तो अपने कड़े प्रतिद्वंदी के साथ लगातर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं ? मगर सवाल ये है कि उनके प्रिय मंडल वाले क्यों नजर नहीं आ रहे हैं जिन कार्यक्रमों में कड़े प्रतिद्वंदी रहते हैं उनके साथ ? कहने वाले ने कहा कि इस सवाल को वो ही समझेंगे श्रीमान ? जो इस तरह की गोट बैठा रहे हैं सुबह और शाम ? सच बतायें इस वफादारी के लिए मंडल वालों को भी मिलना चाहिए ईनाम ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारी थी मेडिसिटी वाले कार्यक्रम की कुर्सियों पर नजर ? हर प्रमुख चेहरे के लिए की गयी थी नाम लिखकर सीट डिसाईड ? मगर हम देख रहे थे फिर भी कुछ चेहरे कर रहे थे आगे की कुर्सियों पर जाने की फाईट ? कुछ ऐसा ही दिया एक पूर्व वाले चेहरे ने अपनी हसरत को अंजाम ? वो बैठ गये आगे की सीट पर जाकर ? जबकि पीछे वाली पर लिखा था उनका नाम ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बहुत दिनों बाद हमें दिखाई दे रही थी चोटी वाले त्यागी जी के चेहरे पर मुस्कुराहट ? ऐसा लग रहा था लम्बे अरसे बाद उनके दिल को मिली हो राहत ? ठाकुर साहब के आने के बाद देखते ही बन रहा था चोटी वाले चेहरे का अनुराग ? कहने वाले ने कहा कि बहुत दिनों के बाद सुलगी इस चेहरे की राजनीति की बुझी हुई आग ? सुना है ठाकुर साहब ने भी अपने प्रिय चोटी वालों को दिया खुलकर भाव ? देखते ही बन रहा था ये लगाव ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें अंदर से पता चली है एक बात ? जिसे हम बाहर लाने का कर रहे हैं प्रयास ? नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाली दौड़ को लेकर अब कर लेनी चाहिए कई दावेदारों को हांफने की तैयारी ? सुना है अभी जल्दी से नहीं होने वाला है इसके चुनाव का सीन जारी ? कहने वाले ने कहा कि होगी जल्दी बोर्ड बैठक ? मगर नहीं आयेगी इस वाले चुनाव की बारी ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उपाध्यक्ष पेडिंग होने वाली बात का एक मैम्बर दावेदार को हो गया है ज्ञान ? सुना है उन्हीं ने अब शुरू कर दिया है प्लान-टू पर काम ? प्लान के अनुसार उन्होंने लगा दिया है अब जीडीए पर अपना ध्यान ? उपाध्यक्षी ना मिले ना सही ? वो अपनी इस दावेदारी को कर देंगे बोर्ड मैम्बरी के लिए कुर्बान ? देखना अगर आपको वो उपाध्यक्ष वाले मामले में कम लगाते दिखे जोर ? समझ लेना उनका दिल चाह रहा होगा कुछ ज्यादा ही मोर ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें बहुत भाता है नदिया पार के चौधरी साहब का शब्दों का रूप ? उन्होंने हॉस्पिटल के कार्यक्रम के बाद फेसबुक पर बात लिखी खूब ? कराया गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों को उनकी अन्देखी का अहसास ? दिया संदेश की कोई भी नहीं पहुंच पाया इनमें से मंच के पास ? सुना है इस बात पर आ गयी किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट ? फिर उसने कहा कि क्या हो गया एक दिन मंच नहीं मिला ? नहीं तो अधिक्तर कार्यक्रमों में ये नजर आते ही हैं पीएम से लेकर सीएम के आस-पास ? कभी कभी इन्हें भी तो होना चाहिए दूरियों के दर्द का अहसास ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम कभी भी निकाल पाते हैं गर्ग साहब के शब्दों का तोड़ ? खेल कूद प्रतियोगिता के समापन के बाद चल रहे नाश्ते में उन्होंने दिखा दी अपने प्रिय पहलवान और हैवी वेट वालों के बीच एक अनोखी होड़ ? कहा दोनों ही डाईट को ले रहे हैं बहुत ज्यादा टाईट ? हमने पहले नहीं देखी कभी इस तरह की कम्पटीशन वाली फाईट ? फिर पीछे से आयी आवाज कि गर्ग साहब यू आर ऑलवेज राईट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि अभी भगवा पहलवान ने बजाई हुई है अपने प्रिय सौंफ वाले शर्मा और मीत वाले बक्शी जी की राजनीति की ताली ? सुना है भले ही मंदे का दौर चल रहा हो मगर पहलवान भैय्या दोनों को बैठने नहीं दे रहे खाली ? एक को दी भंडारे की जिम्मेदारी ? तो दूसरे को दिया बड़े नेता को लंच कराने का प्रभार ? कहने वाले ने कहा यूं तो हम कईयों के तोड़ निकाले हैं ? मगर भगवा कमांडर के दोस्त का तोड़ आजतक नहीं निकाल पाये हैं यार ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हैवी वेट खेमे के खास एक भगवा कमिश्नर का मन हो गया उस वक्त उदास ? जब उन्होंने बुलाना चाहा खेल-कूद वाले कार्यक्रम से लौट रहे जनप्रतिनिधि को अपने पास ? सुना है शर्मा जी के घर से कुछ दूरी पर ही हो रहा था खेल-कूद वाला प्रोग्राम ? उन्होंने नजदीकी को देखकर खूब निवेदन किया ? मगर बन नहीं पाया प्लान ? वैसे इसे क्रिया के प्रति प्रतिक्रिया का भी देना चाहिए संज्ञान ? जब जनप्रतिनिधि ने अपने घर पर लंच के लिए इनको न्यौता था ? तब कहां गायब हो गये थे ये श्रीमान ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कभी कभी परिस्थितियां बन जाती हैं एक दम हार्ड ? चर्चा में है एक सड़क और उस पर आने वाले तीन वार्ड ? सुना है ताकतवर मैडम ने जब यहां पर फोड़ा विकास वाला नारियल ? तब हुआ एक शर्मा मैम्बर को इग्नोरेंस का अहसास ? फिर उन्होंने अपने दिल से बाहर निकाली बात ? कहा ये सिला मुझको टैक्स वाली लड़ाई लड़ने का मिला है ? इसलिए कोई भी निमंत्रण नहीं भेजा गया मेरे पास ?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

प्रेमिका को लेकर शक में युवक ने दो किशोरों पर चाकू से किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र में प्रेमिका से के साथ अवैध संबंध होने के शक पर एक युवक ने दो किशोरों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि ग्राम कठैहरा रोड पर रहने वाले दो नाबालिग लड़के अमन और अरशद जिनकी उम्र क्रमशः 17 वर्ष 16 वर्ष है, उनको एक युवक ने बीती रात को चाकू मार दिया। उन्होंने बताया कि घायल दोनों किशोरों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवक के बारे में कुछ सबूत पुलिस के हाथ लगे हैं। साक्ष्य के आधार पर पुलिस की टीम गठित करके अभियुक्त शावेज पुत्र राजुद्दीन को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी को शक था कि उसकी महिला मित्र से दोनों किशोरों के अवैध संबंध है। उसने कई बार किशोरों को महिला मित्र से बात न करने की चेतावनी दी थी। इसके बाद भी दोनों किशोर उक्त महिला से बातचीत करते थे। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

हिंडन में पानी तो छोड़ा लेकिन बेहद कम मात्रा में, अर्घ्य देने की जगह पर पानी नहीं है

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आस्था और सूर्य उपासना के पर्व छठ का पहला अर्घ्य आज शाम पांच बजे दिया जाएगा। अब महज छह घंटे शेष रह गए है। नगर निगम का दावा है कि सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जल निगम का दावा है कि हिंडन में पानी छोड़ दिया गया है। लेकिन वस्तुस्थिति कुछ और है। हकीकत यह है कि पानी तो छोड़ा गया है लेकिन इतनी कम मात्रा में कि जहां श्रद्धालु अर्घ्य देंगे, वहां पानी ही नहीं है। वहां की स्थित का वीडियो वयरल हो रहा है।

हिंडन में पानी छोडे जाने की मांग को लेकर रविवार को पूरबिया जनकल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने हिंडन नदी पर धरना दिया था। उन्होंने सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाए। उनका कहना है कि हिन्डन में पानी नहीं छोडा जा रहा है। वहीं, जल निगम का दावा है कि हिंडन में 200 क्यूसेक पानी छोडा गया है। मिथिलांचल सेवा समिति के अध्यक्ष पवन झा ने कहा कि हिंडन में पानी छोडा तो गया है लेकिन बहुत ही कम मात्रा में। अर्घ्य के लिए जहां बैरिकेडिंग की गई है, वहां तक पानी नहीं हैं। कई स्थानों पर सूखा पडा है। ऐसे में व्रती कैसे पूजा कर पाएंगी ?

नोएडा में छठ महापर्व : डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर भक्तों ने मनाई भव्य छठ पूजा

नोएडा (करंट क्राइम)। आस्था का महापर्व छठ के व्रतियों ने सोमवार शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। आज सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। छठ घाट पर हजारों श्रद्धालुओं का जनसमूह उमड़ पड़ा। छठी मैया के गीतों से आसपास का वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो रहा था। कई छठ व्रती दंडवत होकर छठ घाट पर पहुंचे।

कार्तिक शुक्ल षष्ठी को छठघाटों पर लाखों छठव्रतियों और भगवान सूर्य के भक्तों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया। दिन में छठव्रतियों ने गेहूं, घी और शक्कर का ठेकुआ, चावल, घी और शक्कर का लड्डू प्रसाद के लिए बनाया। बांस के बने सूप, डाला, दौरा, टोकरी में सभी प्रकार का प्रसाद रखा गया। प्रसाद के रूप में सेब, केला, नारंगी, अमरूद, डाभ, नाशपाती, नींबू सहित सभी प्रकार का फल, ईख, पानी में फलनेवाला सिंघाड़ा, मूली, सुथनी, अदरख, हल्दी, कच्चा नारियल, चीनी का बना साँचा, घर में बना ठेकुआ, लड्डू, कच्चा धागे का बना बद्धी, सिंदूर, अगरबत्ती आदि रखा गया। जिसे सूर्यास्त से पूर्व छठव्रती और उनके परिवार के सदस्य सिर पर प्रसाद सहित सूप, डाला, दौरा, टोकरी लेकर घर से निकलकर छठघाट पर पहुंचे। कई छठव्रती घर से घाटों तक कष्टी देते पहुंचे।

छठ व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा शहर के विभिन्न जगहों पर कई कृत्रिम तालाब बनाये गए है। इसके अलावा सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-31 पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति, सेक्टर-71 शिव शक्ति छठ पूजा समिति, सेक्टर-75 के गोल्फ सिटी प्लाट-8 में श्री सूर्यदेव पूजा समिति, सेक्टर-73 महादेव अपार्टमेंट छठ पूजा समिति, सेक्टर-137 के बायो डायवर्सिटी पार्क, सेक्टर-93 के श्रमिक कुंज, सेक्टर-45, कालिंदी कुंज के यमुना घाट समेत अन्य जगहों पर बड़े स्तर पर सामूहिक रूप से छठ घाट बनाए गए हैं। महापर्व के लिए सेक्टरों और सोसायटियों में भी 100 से अधिक कृत्रिम घाट तैयार किए गए है। घाटों के आसपास सजावट, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था और धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

छठ व्रतियों ने बताया कि हम लोग डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर घर के बुजुर्गों को सम्मान देने का संदेश समाज को देते हैं। नदी, तालाब, जल में प्रवेश कर भगवान सूर्य की पूजा कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। यह पर्व परिवार के सभी सदस्यों को एक साथ इकट्ठा कर सामाजिक एकता का संदेश देता है। हिन्दू, मुस्लिम सहित सभी जातियों के लोग इस महान पर्व को मनाते हैं। यह पर्व साम्प्रदायिक व सामाजिक एकता व भाईचारे का महापर्व है। यह भगवान सूर्य की उपासना और भक्ति का महान लोकपर्व है।